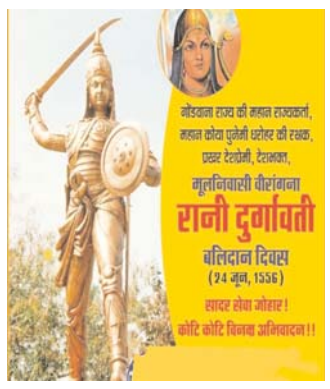

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 310/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 24 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

श्री नारायण गुरु-गांधी की बातचीत का शताब्दी समारोह

नारायण गुरु के सिद्धांत पूरी मानवता के लिए एक महान संपत्ति हैं: मोदी

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत के दो महानतम आध्यात्मिक और नैतिक नेताओं श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज भी 100 साल पहले हुई वह मुलाकात सामाजिक समरसता और विकसित भारत के साझा संकल्प के लिए एक प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत है। श्री नारायण गुरु के सिद्धांत पूरी मानवता के लिए एक महान संपत्ति हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प के साथ काम करते हैं, उनके लिए श्री नारायण गुरु एक प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। आप सभी जानते हैं कि पीड़ित और वंचित समाज के साथ मेरा किस तरह का गहरा जुड़ाव है।

इसीलिए, आज भी जब मैं पीड़ितों और वंचितों के लिए कोई बड़ा निर्णय लेता हूँ, तो गुरुदेव को याद करता हूं। हाल ही में दुनिया ने भारत की क्षमता को देखा। हमारे ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की मजबूत नीति को पूरी दुनिया के सामने साफ कर दिया। हमने दिखा दिया कि जो भारतीयों का खून बहाते हैं, उनके लिए अब दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है। आज का भारत वही कदम उठाता है जो संभव भी हो और राष्ट्रहित में सही भी हो। रक्षा क्षेत्र में अब भारत की विदेशी निर्भरता लगातार कम हो रही है।

समाज सुधारक, दार्शनिक और संत थे श्री नारायण गुरु

नारायण गुरु (1856-1928) केरल के एक समाज सुधारक, दार्शनिक और संत थे। उन्होंने जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ काम किया और एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर का संदेश दिया। जब इन दो हस्तियों के बीच बातचीत हुई, महात्मा गांधी तब देशभर में छुआछूत हटाने और सामाजिक समरसता फैलाने के लिए यात्राएं कर रहे थे। इनकी मुलाकात तिरुवनंतपुरम के पास वर्कला के शिवगिरी मठ में हुई, जिसे नारायण गुरु ने स्थापित किया था। चर्चा के दौरान गांधी जी ने कहा था कि धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

काशी में गृहमंत्री अमित शाह की सीएम मोहन यादव समेत 4 मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर मंथन

वाराणसी। गृहमंत्री अमित शाह काशी में 4 राज्यों के ष्टरूके साथ मीटिंग कर रहे हैं। होटल ताज में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक चल रही है। इसमें यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी शामिल हुए हैं। सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक में विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े ऐसे मामले जो केंद्र सरकार के बिना नहीं सुलझ सकते... इन पर चर्चा हो रही। साथ ही इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के अलावा भारत-नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामलों को लेकर चर्चा हो रही। हिमालय से जुड़ी नदियों को जोड़ने, पर्यावरण, खनन, कृषि, धार्मिक पर्यटन जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा होनी है। बैठक के बाद शाह काशी विश्वनाथ के दर्शन और रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे पहले मंगलवार सुबह ष्टरूयोगी काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां दूध, दही, गंगाजल, शहद और शक्कर से पंचामृत अभिषेक किया। फिर ष्टरूसंकट मोचन मंदिर पहुंचे। संकट मोचन हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम 5.40 बजे काशी पहुंचे। एयरपोर्ट पर ष्टरू योगी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह योगी के साथ सीधे काल भैरव पहुंचे। यहां दर्शन-पूजन करने के दौरान एक पंडित ने शाह की दंड से नजर उतारी। इसी बीच सीएम योगी हंसने लगे और हाथ के इशारे से पंडित को रोक दिया। इसके बाद शाह होटल ताज पहुंचे। एयरपोर्ट से होटल ताज तक पूरे रूट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। होटल ताज में शाह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डिनर किया। सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। ताज के चारों तरफ सुरक्षा का कड़ा घेरा है। आसपास की बिल्डिंगों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। आसपास के रूट पर ट्रैफिक सामान्य है। गाड़ियां खड़ी करने पर रोक है। दोपहर 2 बजे मीटिंग खत्म होगी, फिर सभी बाहर निकलेंगे, तब थोड़ी देर के लिए ट्रैफिक रोका जाएगा। काशी विश्वनाथ मंदिर, संकटमोचन, कालभैरव मंदिर के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। बैठक में शामिल प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और उनके परिवार के लोग मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए जा रहे हैं।

बाबा कालभैरव का लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। धार्मिक परंपरा को निभाते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने अपने वाराणसी दौरे की शुरुआत बाबा कालभैरव के दर्शन और विशेष पूजन से की। अमित शाह ने संकट नाशक बाबा कालभैरव से देश की रक्षा, उन्नति और शांति के लिए प्रार्थना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे। 24 जून, मंगलवार को गृह मंत्री होटल ताज गंगेज में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और लगभग 100 वरिष्ठ अधिकारी

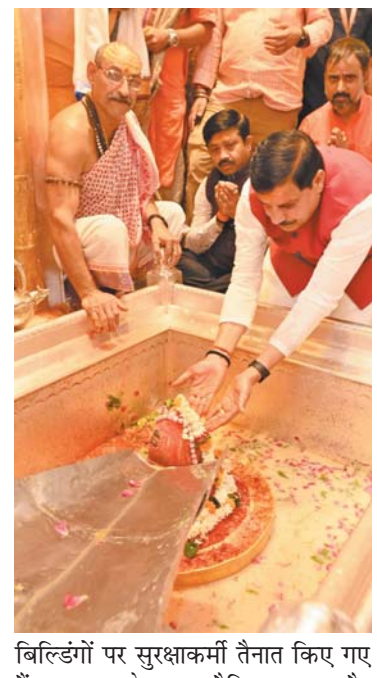

उपराष्ट्रपति ने राम माधव की किताब का किया विमोचन

लेखक के विचारों में सावरकर की छविः जगदीप धनखड़

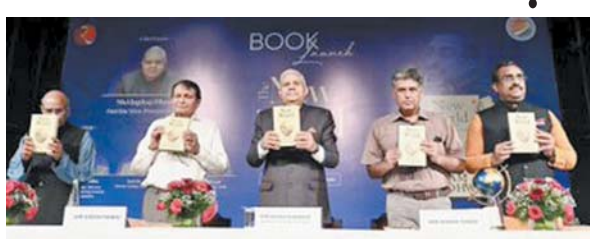

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत के उत्थान का मार्ग सतर्कता से तय किया जाना चाहिए. देश के भीतर और बाहर ऐसी शक्तियां हैं जो हमारे जीवन को कठिन बनाना चाहती हैं. ये घातक ताकतें, हमारे हितों के लिए हानिकारक हैं, और हमें भाषा जैसे मुद्दों पर भी विभाजित कर हमें कमजोर करना चाहती हैं. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को राम माधव की पुस्तक का विमोचन किया. इश दौरान उपराष्ट्रपति ने विनायक दामोदर सावरकर को याद करते हुए कहा कि इस किताब को पढ़ते हुए मुझे लेखक के विचारों में सावरकर की छवि स्पष्ट दिखाई दी. उन्होंने कहा कि सावरकर, तमाम निराधार आरोपों के बावजूद, एक सम्मानित चिंतक के रूप में सामने आते हैं, जो युद्धोत्तर व्यवस्था की प्रारंभिक घड़ी में खड़े थे. जगदीप धनखड़ ने कहा कि सावरकर एक कट्टर यथार्थवादी थे, जिन्होंने यह भविष्यवाणी की थी कि देश केवल अपने हितों के लिए काम करेंगे, न कि आदर्शवाद, नैतिकता या अंतरराष्ट्रीय एकता के आधार पर. सोचिए, वह कितने दूरदर्शी थे, पिछले पखवाड़े और तीन महीनों में जो कुछ हुआ, वह हम सबने देखा है. उन्होंने शांतिवादी या काल्पनिक अंतरराष्ट्रीयतावाद को नकारते हुए यह बल दिया कि भारत को अपनी संप्रभुता को ताकत से सुरक्षित रखना चाहिए, न कि राष्ट्र संघ या बाद में संयुक्त राष्ट्र जैसी पश्चिम-प्रधान संस्थाओं पर निर्भर होकर, जिन्होंने मानवता के एक-छठवें हिस्से को कभी उसका उचित स्थान नहीं दिया. उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत को सशक्त बनाना सरकार का अडिग शेष पेज 8 पर...

एअर इंडिया की लंदन-मुंबई फ्लाइट में 5 पैसेंजर बीमार हुए

नई दिल्ली एजेंसी। एअर इंडिया की लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से मुंबई आ रही फ्लाइट ढ्ढ 130 में सफर के दौरान 5 यात्रियों और 2 क्रू मेंबर्स ने चक्कर आने और उल्टी होने की शिकायत की। सोमवार को एअर इंडिया ने इसकी जानकारी दी। एअर इंडिया ने बताया कि विमान के मुंबई में सुरक्षित लैंड करने पर मेडिकल टीम पहले से तैयार थी।

इजराइल-ईरान संघर्ष विराम

कहा- मकसद पूरा, ट्रम्प बोले- प्लीज अब सीजफायर न तोड़ें, सुबह ईरान ने खारिज किया था

तेहरान/तेल अवीव/दोहा एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच जंग शुरू होने के 12वें दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीजफायर का ऐलान किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- अभी से सीजफायर लागू होता है। प्लीज इसे न तोड़ें। इससे पहले ट्रम्प ने आज सुबह 3 बजकर 30 मिनट पर सीजफायर का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि यह अगले 6 घंटे में लागू हो जाएगा।

ईरान ने 6 बार इजराइल पर हमला किया

ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद से ईरान के विदेश मंत्री ने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्धविराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा। कुछ ही देर बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया।

ट्रम्प ने सीजफायर का दावा किया

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार तड़के 3:30 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का दावा किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर अब से 6 घंटे बाद लागू होगा।

इजराइली सेना बोली खतरा अभी टला नहीं

इजराइली सेना ने जनता से बुरी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। आईडीएफ प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डैफ्रिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इजराइली जनता को अभी भी सुरक्षा निर्देशों का पालन करना जरूरी है, क्योंकि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ट्रम्प के ऐलान से कुछ घंटे पहले ही ईरान ने कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 19 मिसाइलें दागीं थीं। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से

8 अगस्त तक चलेगी विधानसभा की कार्यवाही जल्द नोटिफिकेशन होगा जारी

भोपाल। विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जो 8 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा। मानसून सत्र में राज्य सरकार विधेयकों के साथ पहला अनुपूरक बजट भी पेश करेगी, जिसे सदन की मंजूरी मिलना तय है। इसी को लेकर तीन दिन पहले मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के बीच मुलाकात हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तीन दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से उनके बंगले पर मिलने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के बीच मानसून सत्र को लेकर अंतिम चर्चा हुई। इसके बाद सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से मंजूरी ली गई। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में विधानसभा सचिवालय सत्र को लेकर अधिसूचना जारी कर देगा। इस सत्र में मानसूत्र सत्र में दस बैठकें होने की संभावना है। पिछले साल एक जुलाई से शुरू हुआ था मानसून सत्र पिछले साल विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। इसके लिए 19 जुलाई तक का समय तय किया गया था। हालांकि सत्र समय से पहले समाप्त हो गया था। इस सत्र में कुल 14 बैठकें तय की गई ऐसे में मानसून सत्र के दौरान तीन जुलाई को मोहन सरकार का पूर्ण बजट आया था। इसके पहले फरवरी में सरकार ने लेखानुदान पारित कर चार माह के बजट का इंतजाम किया था।

मध्य प्रदेश सांस्कृति का नया केंद्र

जागेगा सांस्कृतिक जोश

श्रीराम तिवारी
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सांस्कृतिक सलाहकार

- विरासत का उत्सवःविकास का स्वर
- आयोजन की चमकःजनता की चिंता
- संस्कृति यात्राःसबको साथ लिया
- धर्म सजायाःसमाज कितना संवारा
- विक्रम का गौरवःनीति का मुकाम
- विक्रमादित्य का नेतृत्वःआज भी प्रासंगिक
- सांस्कृतिक पतनःसामाजिक समस्याओं की जड़
- विक्रमोत्सवःराष्ट्रीय गौरव का उत्सव
- तिवारी की प्राथमिकताःसांस्कृतिक उड़ान
- धर्म केंद्रित आयोजनःशो या बदलाव
- आस्था या सियासतः सांस्कृतिक सवाल

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संस्कृति से विकास की तरफ बढ़ रहे हैं। वे विज्ञान में रुचि रखते हैं, किताबें पढ़ते हैं, उनके विचार संस्कृति से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री के जीवन की बनक संस्कृति से है। समाज के लिए कई तरह से सक्रिय हैं। यह कहना है मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सांस्कृतिक सलाहकार और प्रदेश के संस्कृति विभाग में पूर्व में काम कर चुके श्रीराम तिवारी का। तिवारी हमेशा नवाचार से जुड़े रहने वाले हैं और 100 से ज्यादा किताबों का संपादन कर चुके हैं। वे महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक, मप्र शासन के वीर भारत न्यास की न्यासी सचिव हैं। श्री राम तिवारी संस्कृति को लेकर कहते हैं कि यह जीवन का बुनियादी तत्व है, इसके बिना जीवन है ही नहीं। वे कहते हैं कि जीवन की आपाधापी में रोजगार, परिवार या अन्य कारणों से कई बार अलग हो जाते हैं। श्रीराम तिवारी बताते हैं कि वे साधारण परिवार से आते हैं, अपने परिवार और बचपन को लेकर बताते हैं कि जैसे सभी के परिवार में बच्चों से कहा जाता है ये सीखो, वो सीखो ऐसा उनके साथ भी था। उज्जैन में उनका परिवार शिवगली में गोपाल और महाकाल मंदिर के बीच में किराए के मकान में रहता था। उन्होंने कहा कि बचपन में दबाव रहा होगा रामचरित मानस, गीता, ज्योतिष पढ़ो। कई बार हम इसको अंगीकार कर पाते हैं, कई बार व्यवहार में ला पाते हैं, कई बार नहीं।

श्रीराम तिवारी संस्कृति की परिभाषा को लेकर कहते हैं कि जीवन जितना बड़ा हैं संस्कृति भी उतनी बड़ी है। संस्कृति की परिभाषा है भी और नहीं भी। जन्म, मृत्यु, शिक्षा, राजनीति, युद्ध, प्रेम, रोजगार, व्यापार आदि सब संस्कृति से जुड़े हैं। वे कहते हैं कि मध्यप्रदेश या देश में संस्कृति जैसी चीज नहीं है, जबकि होना चाहिए। कई बार हम इसके बिना अंजानी दीवार खड़ी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति संगीत, नृत्य, सिनेमा, यूनिटी ही नहीं अपितु इसका बहुत बड़ा फलक है। उन्होंने कहा युद्ध संस्कृति है, आधी से ज्यादा दुनिया में युद्ध हो रहे हैं। जीवन में परिवर्तन हो रहे हैं। जलचर, थलचर, पृथ्वी नष्ट हो रही है। सूर्यग्रहण की बात करते हुए कहते हैं कि ऐसी कई बातें हैं। उन्होंने मप्र में संस्कृति के पुनरुत्थान को लेकर कहा कि विरासत से विकास का संकल्प सूत्र प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की तरफ से आया है। प्रधानमंत्री देश में विकास के रास्ते खोलने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लेकर कहा कि वे संस्कृति समाज से आते हैं और कई तरह से सक्रिय हैं। वे डॉ. यादव का पचमढ़ी में योगाभ्यास का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि उन्हें उनके परिवार ने राजनीति और समाज में काम करने के लिए छोड़ दिया है। उनके काम में उनका परिवार हस्तक्षेप नहीं करता है।

श्रीराम तिवारी कहते हैं कि कौन किसको क्या बताएगा यह अलग बात है। बताने के लिए मुख्यमंत्री का स्टाफ भी है पर वह खुद मुख्यमंत्री हैं उनके आइडिया भी होते हैं। मुख्यमंत्री को कोई भी संस्कृति को लेकर बता सकता है, वे इसको सुनते भी हैं और मानते भी हैं। वे कहते हैं जैसे मुख्यमंत्री का जल गंगा संवर्धन अभियान है, इसमें गतिविधियों हो रहीं हैं। वे कहते हैं कि बारिश का पानी एकत्रित करने तक तो ठीक है पर इसके आगे भी तो होना चाहिए। उन्होंने केन बेतवा नदी जोड़ो योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास होना चाहिए। वे खंडवा की जल संरचनाओं का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि मप्र में खेती किसानी सूख रही है, कई जलाशय सूख रहे हैं निश्चित ही जल गंगा संवर्धन अभियान से इसको फायदा होगा। उन्होंने कहा कि मप्र में नदियों, बावड़ियों की सफाई पर रिपोर्ट बनाएंगे। मप्र श्रीराम तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गंगा सफाई अभियान को लेकर कहा कि गंगा वर्षों से गंदी हो रही है पर उसकी सफाई का कार्य सराहनीय है। उन्होंने गंगा को लेकर भागीरथ के प्रयास का भी उल्लेख किया। श्रीराम तिवारी समाज में बढ़ रही अपसंस्कृति और इंदौर में हाल ही में हुए सोनम के पति के हत्या मामले को लेकर कहते हैं कि संस्कृति के बिना संस्कार नहीं आते। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले संस्कार विहीन होने पर होते हैं। वे कहते हैं कि शिवरात्रि, मंदिर जाना है, कई लोग इसे धार्मिक होना मानते हैं, कई नहीं भी मानते हैं पर यह कहीं न कहीं संस्कृति से जुड़ा है।

(अतुल विनोद पाठक के साक्षात्कार से साभार प्रमुख अंश)

कायरन पोलार्ड ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड, 700 टी-20 मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर बने

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के धाकड़ ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड ने टी-20 क्रिकेट में एक अनोखा मुकाम हासिल किया है। दरअसल वह इस फॉर्मेट में 700 मैच खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड ने यह रिकॉर्ड अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट के दौरान बनाया है। वहीं इससे पहले कोई भी खिलाड़ी टी-20 में इतने मुकाबले नहीं खेल पाया है। कायरन पोलार्ड ने टी-20 क्रिकेट में एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जो अब तक कोई नहीं कर पाया था। वह 700 टी-20 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड इन दिनों मेजर लीग क्रिकेट (MLC) में MI न्यूयॉर्क टीम के साथ खेल रहे हैं। 24 जून को MLC 2025 के 14वें मुकाबले में जब न्यूयॉर्क ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ मैच खेला, तो पोलार्ड ने इतिहास रच दिया।

श्रीमद्भागवत गीता

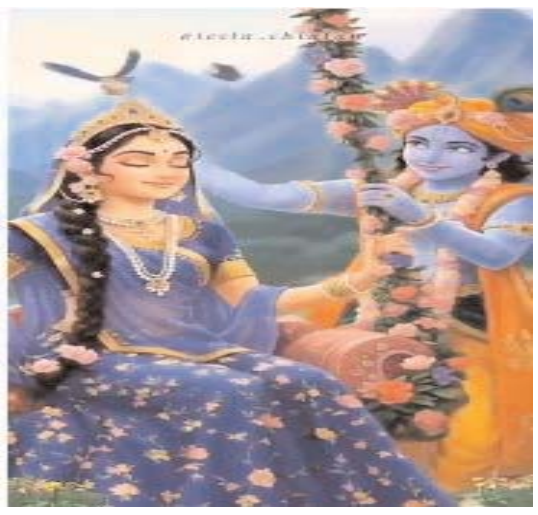

गीता सर्वशास्त्रमयी है। इसमें सारे शास्त्रों का सार भरा है। गीता कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग की त्रिवेणी है। इसने मात्र भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों में अपने दिव्य ज्ञान का प्रकाश फैलाया है। इस छोटे-से ग्रंथ में जीवन की गहराइयों को छूते ऐसे सत्य व ज्ञानयुक्त विचारों का समावेश है, जिनके नित्य अध्ययन एवं चिंतनमात्र से मनुष्य की हताशा, निराशा एवं चिंताएँ मिट जाती हैं और उसमें साहस, समता, सरलता, स्नेह, शांति धर्मनिष्ठा आदि दैवी गुण सहज ही विकसित हो उठते हैं। यह ग्रंथ सभी धर्मों, समुदायों और संस्कृतियों के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि इसमें मानव जीवन की सार्वभौमिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया गया है। गीता ग्रंथ पूरे विश्व में अद्वितीय है। अतः श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलन, शांति और समृद्धि लाती है। गीता का नियमित अध्ययन और इसके सिद्धांतों को जीवन में उतारना हमें एक सार्थक, सुखी और पूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है। इस अद्वितीय ग्रंथ को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ और इसके अमृतमय ज्ञान से अपने जीवन को प्रकाशित करें।

भोपाल। प्रखर राष्ट्रीय भक्ति डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर टैगोर मंडल पर सभी बूथ अध्यक्षों का अपने-अपने बूथ की कार्यकारिणी के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष पारस नरवरिया टैगोर मंडल, संयोजक हंसराज दावरे, सह संयोजक अनिल राठौर, सह संयोजक अर्चना सोलंकी आदि का योगदान रहा।

भोपाल। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर ओम नगर में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

न्याय के मंदिर ग्वालियर उच्च न्यायालय में बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा हो स्थापित: जीतू पटवारी

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कैंप नम्बर 12 में संविधान सत्याग्रह चौपाल पर हुई चर्चा

संत हिरदाराम नगर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संत हिरदाराम नगर के अंतर्गत कैंप नंबर 12 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में संविधान सत्याग्रह चौपाल पर चर्चा का कार्यक्रम का आयोजनप किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, ज़िला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सत्याग्रह चौपाल पर चर्चा करते हुए कहा कि आज हम सभी देश के संविधान को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जहां एक तरफ़ आजादी से पहले कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता ने आजादी के लिए संघर्ष किया वहीं आज आजादी के बाद भी कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान को बचाने के लिए संघर्ष कर

रहा है। मैं भाजपा एवं आरएसएस से पूछना चाहता हूँ कि वे क्यों ग्वालियर उच्च न्यायालय में संविधान निर्माता बाबा भीमराव साहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का विरोध कर रहे हैं हमारी मांग है कि न्याय के मंदिर ग्वालियर उच्च न्यायालय में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित हो ताकि हर आम नागरिक के मन में यह भावना जागे की संविधान से बडा कुछ नहीं है इसके लिए कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता बुधवार को ग्वालियर में उपवास पर बैठेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने कहा कि जिस संविधान को स्थापित करने के लिए हमारे देश के क्रांतिकारियों ने संघर्ष किया। हम उसे बचाने के लिए हर तरह से संघर्ष करने के लिए तैयार है इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि संविधान सत्याग्रह के जरिए संविधान को बचाने के लिए हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा इसके लिए हम ब्लॉक के अंतर्गत घर-घर जाकर बाबा साहेब के संविधान को बचाने के लिए जागरूक करेंगे। इस अवसर पर ब्लॉक के सभी कार्यकताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का गर्मजोशी से स्वागत किया। अंत में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सभी को संविधान को बचाने के लिए शपथ दिलाई। इस परिचर्चा में मुख्य रूप से प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी, जगदीश कुमार सांवले, जिला कार्यकारणी अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, राजकुमार सिंह, अविनाश भार्गव, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, आनंद सबधाणी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी, युवा नेता सोनू तोमर, विष्णु मारण, महेश गुरबानी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

पंचशील नगर, 52 क्वार्टर लुंबिनी बुद्ध विहार के पास संविधान सत्याग्रह एवं सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी संजय दत्त एवं वरिष्ठ कांग्रेस जन शामिल रहे।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस हर्षोल्लास से मनाया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न खेल गतिविधियों जैसे रोप स्किपिंग, कबड्डी, दौड़ और मनोरंजनात्मक खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत खेल प्रतियोगिताओं से हुई, जिसमें छात्राओं ने अनुशासन, उत्साह और टीम भावना के साथ हिस्सा लिया। पूरे परिसर में एक खेलमय वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. शांति शर्मा, कॉलेज की स्पोर्ट्स ऑफिसर ने ओलंपिक आंदोलन का महत्व और वैश्विक प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने ओलंपिक खेलों के माध्यम से विश्व में एकता, शांति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के संदेश को विस्तार से समझाया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। समापन सत्र में डॉ. डालिमा पारवानी ने खेल विभाग, एनसीसी, एनएसएस एवं आई आई सी सेल को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और सभी को इस दिन को प्रेरणा स्वरूप याद रखने के लिए कहा। यह आयोजन छात्राओं के बीच एकता, अनुशासन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देकर संपन्न हुआ।

मोदी सरकार कर रही डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार: सबनानी

भोपाल। जनसंघ के संस्थापक डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बूथ क्रमांक 59 पर डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कर कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक देशवासियों को गुमराह कर अपनी सत्ता के लालच को पूरा किया और जनहित के कार्यों को छोड़कर एक परिवार के हित के लिए काम कर जनता के साथ धोखा किया। डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस की सत्ता को छोड़कर देश और देशवासियों के लिए जनसंघ की स्थापना की और वर्षों-बर्ष तक कांग्रेस सरकारों के अत्याचार को सहते हुए, जनता की भलाई के लिए संगठन को मजबूत किया। और आज हम देख रहे हैं कि मोदी सरकार कर रही है डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार, मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को किया साकार। डॉ.मुखर्जी के आदर्शों पर चलकर भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर हम सभी कार्यकर्ताओं को ध्यान रखना चाहिए कि राष्ट्रनिर्माण के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा, भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता एक संकल्प के साथ काम कर रहा है, इस बात का सदैव स्मरण कर के ही हमें काम करना। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजन संतोष ब्राह्मभट्ट मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाड़े बूथ प्रभारी हेमलता गुप्ता तृप्ति भोले विकास यादव राजा हौसले गोविंद वर्मा अतुल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कायस्थम की अंकिता श्रीवास्तव ने जीता मिसेज एमपी का खिताब

भोपाल। कायस्थम मध्यप्रदेश की श्रीमती अंकिता श्रीवास्तव ने हाल में राजधानी में आयोजित तूलिका संस्था के एक समारोह में मिसेज एमपी का खिताब जीता। लगभग दो दर्जन महिलाओं के बीच हुई इस प्रतियोगिता में अंकिता श्रीवास्तव ने विभिन्न राउंड में अपना श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया और मिसेज एमपी का अवार्ड अपने नाम किया । अंकिता श्रीवास्तव को मिसेज एमपी के अवार्ड के अलावा ब्यूटीफुल आई का भी अवार्ड प्राप्त हुआ है। अंकिता विगत 17 जनवरी को कायस्थम 2025 के आयोजन में परिधानम प्रतियोगिता में भी विजयी रही थी। उनकी इस सफलता पर कायस्थम मध्यप्रदेश ने बधाई दी है।

आपातकाल के काले अध्याय के 50वें वर्ष पर गुरुनानक मंडल ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

भोपाल। गुरुनानक मंडल द्वारा आपातकाल के काले अध्याय के 50वें वर्ष पर शहीद गेट ईद गाह हिल्स पर आज सुबह सुबह 11 बजे एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गयर। इस कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों और मिसाबंधियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जेल का रूप दिया जाएगा। इसमें से मिसाबंधी और काली टीशर्ट पहने हुए निकलेंगे। 50 युवा काला दिवस लिखी काली टीशर्ट धारण करेंगे और काली पट्टी सर पर धारण करेंगे। इसके अलावा, 50 काले गुब्बारे हवा में छोड़े जाएंगे।

श्रमदान कर की कुएं और मंदिर परिसर की सफाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र वार्ड 30 के हर्षवर्धन नगर पंपापुर हनुमान मंदिर में जनसहयोग के साथ श्रमदान कर कुए और मंदिर परिसर की सफाई की गई। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि हमारा शहर भोपाल तालाबों हरियाली और अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरे विश्व में पहचाना जाता है, हमारे भोपाल को प्रकृति ने अनमोल उपहार से नवाजा है, हमें बस इसके संरक्षण और देखभाल करने की आवश्यकता है। हमारी दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में भी प्राकृतिक उपहार की कोई कमी नहीं है तालाब हरियाली और प्राकृतिक जल स्त्रोतों का भंडार है, हम सबका कर्तव्य है कि हम ईश्वर की दी हुई इन अनमोल धरोहर को सहेजने में अपना योगदान देते रहें, जिससे हम इन अनमोल धरोहर का लंबे समय तक उपयोग कर सकते हैं। जल गंगा संवर्धन योजना के द्वारा हम अपने प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल के साथ उन्हें पुनः जीवित भी कर सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हमें सफाई के महत्व को बताया गया है और इसका हम व्यापक असर पूरे देश में देखा जा सकता हैं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अब तक देश में करोड़ों वृक्षों को लगाया जा चुका है जो हमारे आने वाली पीढ़ियां के लिए अनमोल उपहार है। मैं सभी से विनती करता हूं कि इस बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधारोपण कर धरती माता का श्रृंगार करें। श्रमदान के अवसर पर नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण भी साथ रहे और लोगों को सफाई के महत्व जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता महेश जोशी मंडल अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय चंद्रभान यादव नरेंद्र प्रजापति हरीश शर्मा इंद्रानी दत्ता सीमा शर्मा लक्ष्मी काबुलासी सहित क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया स्वागत

कृषक हितैषी योजनाओं के संबंध में की विस्तृत चर्चा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास पर केंद्रीय कृषि एवं किसान तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के समग्र विकास, मुख्यत-किसानों के हित में चल रही योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मुलाकात, प्रदेश के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में शामिल होने का दिया आमंत्रण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें मध्यप्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों के लिए मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान्तर्गत खंडवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्यप्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहाँ पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष काम किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सहर्ष स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चार स्तंभों-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में 2 लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मेलन के उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पार्क के भूमि-पूजन और औद्योगिक खंडों के आवंटन के लिए भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी, प्रधानमंत्री मोदी को इसका करने का न्यौता भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सलवाद समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत डेढ़ वर्ष में 10 से अधिक नक्सलवादी मारे गए हैं जिन पर एक करोड़ 62 लाख रुपए का इनाम था। प्रदेश का बालाघाट एकमात्र नक्सल प्रभावित जिला था, जिसमें तहसील स्तर पर ही कुछ नक्सल गतिविधियां रह गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के अनुरूप मार्च 2026 तक प्रदेश में नक्सलवादी गतिविधियों पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार ने विगत नौ वर्षो से कर्मचारियों की रुकी हुई पदोन्नति का समाधान निकाला है। कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति के नए नियम बनाए गए हैं, जिससे लगभग 5 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा और 2 लाख से अधिक नवीन पदों की भर्ती का रास्ता खुलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि तीन हजार वर्ष पूर्व महाकाल की नगरी उज्जैन से कालगणना की जाती थी, जिसे औपनिवेशिक शक्तियों के कारण पहले पेरिस और फिर ग्रीनविच को स्टैंडर्ड टाइम बना दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एशिया के वैज्ञानिक सहमत हैं कि समय की शुद्ध गणना पूर्व दिशा से होनी चाहिए, जिसके लिए भारत सर्वोत्तम देश है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने उज्जैन के निकट एक नई वेधशाला स्थापित की है, जो भविष्य में समय गणना का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में जनवरी में स्टैंडर्ड टाइम के संबंध में एक वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मेलन का भी आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य ने आदिकाल में सुशासन और गणतंत्र की स्थापना की थी। इनकी गौरव गाथा को महानाट्य के माध्यम से देश के विभिन्न शहरों में मंचन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अलंकरण शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी से सहयोग का निवेदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्र सरकार के मूलमंत्र 'सबका साथ-सबका विकास' सबका प्रयास और सबका विकास पर प्रदेश सरकार कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है।

सरकारी अस्पतालों में नवजात के जन्म लेते ही मिलेगा बर्थ सर्टिफिकेट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नया सर्कुलर जारी, जिला कलेक्टरों को व्यवस्था लागू करने के निर्देश

मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजातों को अब जन्म प्रमाण पत्र के लिए लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। राज्य के आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय ने सभी कलेक्टरों को एक अहम सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में निर्देश दिए गए हैं कि अस्पताल से ही प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाए ताकि आम लोगों को परेशान न होना पड़े।

मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय द्वारा निर्देश में बताया गया है कि प्रदेश में 50ऽ से अधिक प्रसव सरकारी अस्पतालों में होते हैं। इसलिए अस्पतालों को इस बात के लिए अधिकृत किया जा रहा है कि वे रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करके अस्पताल से डिस्चार्ज के समय ही नवजात का जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दें।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए 21 दिन का इंतजार खत्म

वर्तमान में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 21 दिनों की बाध्यता है। निजी अस्पतालों में जन्म होने की स्थिति में नगर निगम में अलग से आवेदन करना होता है, जिसमें डिस्चार्ज स्लिप, पहचान पत्र और अन्य कागजात देने पड़ते हैं। इसमें देरी होने पर 20 से 1000 रुपये तक जुर्माना भी देना होता है।

अस्पताल से ही मिलेगा बर्थ सर्टिफिकेट

नई व्यवस्था से जन्म प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पहले से ज्यादा सरल हो जाएगी। अस्पताल से छुट्टी होने से पहले ही प्रमाण पत्र बनाकर दिया जाएगा। इससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और जन्म प्रमाण पत्र की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता आएगी।

डेटा रखने में आसानी, पेरेंट्स का झंझट खत्म

डिजिटल रिकॉर्डिंग से जुड़ेगा हेल्थ डाटायह व्यवस्था राज्य की डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूती देगी। जन्म प्रमाण पत्र की डिजिटल एंट्री से सरकार को हेल्थ स्टैटिस्टिक्स मजबूत करने में मदद मिलेगी। साथ ही यह रिकॉर्ड आगे चलकर बच्चों के शिक्षा, पहचान पत्र और सरकारी योजनाओं में उपयोगी होगा।

ग्वालियर के गौरव सिविल अस्पताल हजीरा को मध्यप्रदेश में मिला प्रथम स्थान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप नगर ग्वालियर में स्थापित सिविल अस्पताल हजीरा ने सेवा, समर्पण और सतत प्रयासों की शानदार मिसाल बनते हुए एक नहीं, दो-दो गौरवशाली उपलब्धियाँ अपने नाम की हैं। इस अस्पताल ने भारत सरकार द्वारा विकसित कायाकल्प मापदण्ड अनुरुप उत्कृष्ट कार्य कर कायाकल्प फाइनल मूल्यांकन में 94.43 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम पुरुस्कार प्राप्त किया है। सिविल अस्पताल हजीरा द्वारा अपने कार्यों से उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवायें विकसित की हैं। इस अस्पताल में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य से जनमानस में भी स्वास्थ्य संस्था के प्रति विश्वास सुदृढ़ हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही सिविल अस्पताल हजीरा ने ÷बेस्ट ईको-फ्रेंडली चिकित्सालय पुरस्कार 2023-24÷ प्राप्त कर ग्वालियर वासियों को गर्व, प्रेरणा और आत्मीय खुशी का अवसर प्रदान किया है।

सिविल अस्पताल हजीरा को मिली इस सफलता पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह ग्वालियर के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि संभव हो सकी। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि सिविल अस्पताल हजीरा की पूरी टीम ने दिन-रात मेहनत कर यह सिद्ध किया है कि जब सेवा में संवेदना हो और कार्य में ईमानदारी हो तो परिणाम सिर्फ सम्मान के साथ सभी को गौरवान्वित भी करते हैं।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल, हजीरा की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि ने आपने न सिर्फ ग्वालियर को गौरवांवित किया, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ी है। ग्वालियर के नागरिकों के लिए यह उपलब्धि गर्व से सीना चौड़ा करने वाली है।अधोसंरचना विकास हो या फिर चिकित्सकीय सुविधा उप नगर ग्वालियर में हजीरा सिविल अस्पताल ने मिसाल कायम की। यही वह वजह है कि मध्यप्रदेश में इस अस्पताल को नई पहचान मिली है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने लोगों से अपील की है कि वे ग्वालियर को स्वच्छता में नंबर एक बनाने के लिए आगे आएं।

प्राक्कलन समिति की सिफ़ारिशों का कार्यान्वयन छह माह में सुनिश्चित हो : अजय विश्नोई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुंबई में महाराष्ट्र विधान सभा द्वारा आयोजित संसद तथा राज्य विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेते हुए अजय विश्नोई,सभापति मप्र विधान सभा प्राक्कलन समिति ने कहा कि समिति के परीक्षण का मूल उद्देश्य विभागों में सार्वजनिक धन का मितव्ययता के साथ सही उपयोग एवं प्रशासन में कार्यकुशलता लाना है। विश्नोई ने मध्यप्रदेश विधान सभा समिति द्वारा जाँच में किये गये नवाचारों जैसे लोकस्वास्थ्य यांत्रिक विभाग अन्तर्गत नल जल योजना,स्मार्ट सिटी योजना व डायल 100 जैसी योजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर समिति द्वारा स्थल अवलोकन किया जाकर पाई विसंगतियों पर अधिकारियो को निर्देश देकर दुरुस्त कराने का उल्लेख करते हुए माँग की कि लोक सभा की भाँति राज्यों में समिति के मूल प्रतिवेदन में शामिल सिफ़ारिशों का क्रियान्वयन 6 माह में सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कार्य में निरंतरता के लिए समिति का कार्यकाल दो वर्ष करने,समिति के प्रभावी कार्यकरण में महालेखाकार के सहयोग की व्यवस्था करने तथा समिति में विधि व वित्तीय प्रबंधन के जानकार सदस्यों को सदस्य बनाये जाने के भी सुझाव दिये।

इस अवसर पर विश्नोई के साथ चिंतामणि मालवीय, सोहन लाल बाल्मीक, आशीष शर्मा सदस्य तथा डॉ ए पी सिंह,प्रमुख सचिव विधान सभा, मनवानी अवर सचिव उपास्थित थे।आज इस दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ मा. ओम बिरला लोक सभा अध्यक्ष द्वारा उप सभापति राज्य सभा,महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री,विधान सभा अध्यक्ष एवं सांसद तथा राज्यों की प्राक्कलन समितियों के सभापति,गणमान्य जन की उपस्थिति में किया गया।

एमएसएमई विभाग की प्रोत्साहन योजना ने दिलाई सफलता

मीतू अग्रवाल ने रोजगार प्रदाता बनकर रचा सफलता का नया अध्याय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में महिला उद्यमिता से महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है, उसका लाभ जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। एमएसएमई सेक्टर को गति देने के लिए बनाई गई योजनाओं का असर अब सशक्त नारी और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदमों के रूप में दिख रहा है। भिंड की महिला उद्यमी श्रीमती मीतू अग्रवाल की सफलता इसका बेहतरीन उदाहरण है।

पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय को नई सोच और तकनीक के साथ आगे बढ़ाते हुए उन्होंने अपने मेसर्स पुखराज पॉलिमर इंडस्ट्री को स्थानीय से राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। प्लास्टिक पाइप और वेदर रेजिस्टेंस वाटर टैंक के निर्माण से जुड़े इस उद्योग को उन्होंने एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के माध्यम से विस्तार दिया। योजना के अंतर्गत उन्हें 500 लाख रुपये के निवेश पर मध्यप्रदेश शासन से 121 लाख रुपये की प्रोत्साहन सहायता राशि प्राप्त हुई।

यह केवल आर्थिक मदद नहीं थी, बल्कि उनके सपनों को नया आधार देने का अवसर बनी। श्रीमती मीतू अग्रवाल बताती हैं कि पहले उत्पादन सीमित था, संसाधनों की कमी के कारण बड़े ऑर्डर लेने में संकोच होता था लेकिन अब नियमित उत्पादन के साथ डिलीवरी क्षमता भी बढ़ी है, जिससे ग्राहकों के बीच कंपनी की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा दोनों में इजाफा हुआ है। श्रीमती अग्रवाल की कंपनी में तैयार किए जाने वाले टैंक एंटी-बैक्टीरियल, ऑडलेस, एंटी-अल्गल और वेदर रेजिस्टेंस तकनीक से बने होते हैं, जो हर मौसम में टिकाऊ रहते हैं। 200 से लेकर 5000 लीटर क्षमता वाले इन टैंकों की मांग न केवल मध्यप्रदेश में, बल्कि आसपास के राज्यों में भी बढ़ रही है। साथ ही कंपनी विभिन्न आकार के गार्डन पाइप भी बनाती है, जो घरेलू और कृषि दोनों तरह के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं। उद्यमिता की इस यात्रा में श्रीमती मीतू अग्रवाल सिर्फ एक महिला उद्यमी नहीं, बल्कि प्रेरणा का प्रतीक बनकर उभरी हैं। उन्होंने इस धारणा को तोड़ा है कि व्यवसाय सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र है। उनका मानना है कि अगर सही समय पर नीति और प्रोत्साहन मिले, तो महिलाएं भी उत्पादन और रोज़गार सृजन की अगली पंक्ति में आ सकती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को लेकर प्रदेश में जो प्रतिबद्धता है, उसका प्रत्यक्ष उदाहरण है 27 जून को रतलाम में होने वाला ऋद्धस्थ 2025 कॉन्क्लेव। यह आयोजन न केवल निवेशकों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाएगा, बल्कि मीतू अग्रवाल जैसी सफलताओं को सामने रखकर युवाओं को प्रेरित करेगा कि वे नौकरी चाहने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। श्रीमती मीतू अग्रवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि, ÷मध्यप्रदेश में अब व्यवसाय शुरू करना पहले जितना कठिन नहीं रहा। जिस समर्थन की जरूरत मुझे थी, वो मुझे समय पर मिला। यही कारण है कि आज मैं न सिर्फ आत्मनिर्भर हूं, बल्कि कई परिवारों को रोज़गार भी दे पा रही हूं। सरकार की यह सोच मुझे और मुझ जैसी अनेक महिलाओं को आगे बढ़ने का हौसला देती है।

स्पोर्ट्स साइंस और न्यूट्रीशियन पर कार्यशाला संपन्न

भोपाल। विश्व ओलंपिक डे पर मध्यप्रदेश में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा स्पोर्ट्स साइंस एवं स्पोर्ट्स न्यूट्रीशियन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संतुलित पोषण की जानकारी देना रहा। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के खिलाड़ी, कोच, खेल अकादमी के प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी शामिल हुए। विशेषज्ञों द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के दौरान स्पोर्ट्स न्यूट्रीशियन, रिकवरी प्रोसेस, हाइड्रेशन, मसल रिकवरी, एनर्जी मैनेजमेंट, और इंटेंसिव ट्रेनिंग के दौरान पोषण की भूमिका पर गहन जानकारी दी गई। कार्यशाला में खिलाड़ियों के लिए ऊर्जा युक्त और संतुलित आहार का महत्व, विभिन्न खेलों के अनुसार आवश्यक पोषण तत्वों की जानकारी, स्पोर्ट्स साइंस से जुड़े आधुनिक उपकरणों की भूमिका और रिकवरी, इंज्यूरी प्रिवेंशन और प्रदर्शन वृद्धि में स्पोर्ट्स साइंस की उपयोगिता बताई गई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी स्पोर्ट्स कोच न्यूट्रिशनिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग एक्सपर्ट्स, और साइकोलॉजिस्ट उपस्थित थे।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना ही हमारा लक्ष्य: मंत्री कृष्णा गौर

गोविंदपुरा क्षेत्र में 70 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि विधि-विधान से पूजा करने से कार्य में कोई बाधा नहीं आती। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ जनता के सेवक हैं। जनप्रतिनिधि एक जनसेवक होता है और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना ही उसका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जनता का साथ और विकास का संकल्प - यही मेरी प्रतिबद्धता है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 70 लाख रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने रजत विहार कॉलोनी में 5 लाख रुपए की लागत से पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य और 7 लाख रुपए की लागत से सी.सी. सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा की अमर प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 4 लाख रुपए की लागत पेवर ब्लॉक कार्य का निर्माण कराया जाएगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि गोविन्दपुरा क्षेत्र के वार्ड 54 के दुर्गा नगर मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक और मंदिर की छत डलने के निर्माण कार्य का भूमिपूजन क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह कार्य श्रद्धालुओं की सुविधा एवं परिसर के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने वार्ड 54 के स्टर्लिंग केसेल्स में 3 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, कुंजन नगर में 22 लाख रुपये लागत के नाली निर्माण कार्य एवं पार्क निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। बागसेवनिया में 24 लाख लागत के कबीरपंथी समाज भवन उन्नयन कार्य, पार्क निर्माण एवं सड़क निर्माण के कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस दौरान पार्षदजितेन्द्र शुक्ला, शीला पाटीदार, श्रीमती अर्चना परमार, मोनिका ठाकुर,प्रताप वारे,रामबाबू पाटीदार,धर्मेंद्र पाटीदार,प्रदीप पाठक,अनिल मालवीय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

खंडवा ने जल संचय में ऐतिहासिक उपलब्धि की हासिल

जिला प्रशासन और जनता की प्रतिबद्धता ने बनाया नंबर वन

जल संरक्षण की दिशा में निरंतर बढ़ रहे कदम

रूफ वाटर हार्वेस्टिंग से किया जा रहा जल संग्रहण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कैच द रेन'' की जल संचय, जन भागीदारी मुहिम से खंडवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की राष्ट्रीय रैंकिंग में खंडवा ने 1,29,046 से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और पंजीकरण के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के वर्षा जल संचयन और सामुदायिक सहभागिता के दृष्टिकोण को साकार करती है। इस पहल ने जहां गिरे, जब गिरे-वर्षा का जल संचित करें के मंत्र को चरितार्थ किया है। देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने की उपलब्धि से जिले में उत्साह का माहौल है। जनता और जिला प्रशासन जल संरक्षण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन के प्रयासों से न केवल भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, बल्कि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया गया है। स्थानीय निवासियों ने गर्व के साथ कहा, हमारा जिला जल संचय और संरक्षण में देश में अव्वल है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। हम प्रशासन के साथ मिलकर हर बूंद को संरक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करेंगे। जिला प्रशासन ने जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया है। खास तौर पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। सभी शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद यह अभियान शासकीय आवासों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दो मंजिला आवासीय भवनों तक चरणबद्ध रूप से विस्तारित होगा।खण्डवा कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता ने कहा रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से हम जल संकट से निपट सकते हैं और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जिले की सभी पक्की छतों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने और जनता से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। इस अभियान को गति देने के लिए विगत दिवस एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग की तकनीकी जानकारी, लाभ और स्थापना प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि यह तकनीक भूजल स्तर को बढ़ाने के साथ-साथ वर्षा जल के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करती है।जिले में निरंतर जल संवाद किए जा रहे हैं।अब नुक्कड़ नाटक,कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के माध्यम से भी जनता को जागरूक किया जाएगा।गांव-गांव में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से प्रभात फेरी और रंगोली बनाने जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

जिले की यह उपलब्धि दर्शाती है कि सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण का लक्ष्य संभव है। जल संरक्षण सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव भी रखता है।खंडवा की यह उपलब्धि और जनता-प्रशासन की संयुक्त प्रतिबद्धता पूरे देश के लिए प्रेरणा बन रही है।

संपादकीय

फिर जिसकी लाठी उसकी भैंस का दौर

आखिरकार ना-नुकर के प्रपंच के बाद अमेरिका ने घातक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से हमला करके ईरान की तीन न्यूक्लियर साइट तबाह करने का दावा किया है। लगता है कि ईरान का परमाणु सपना हमले के साथ ही बिखर गया है। हाल में उसके कई परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए थे। एक सप्ताह पूर्व इस्राइल ने ईरान के सैन्य स्थलों, भारी जल रिएक्टर तथा नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए हैं। इस्राइल दावा करता रहा है कि ईरान उसके अस्तित्व को मिटाना चाहता है और परमाणु बम बनाने के करीब है। वहीं अमेरिका के शीर्ष रक्षा सूत्र ईरान के पास परमाणु बम की मौजूदगी से इनकार करते हैं। हालांकि, पिछले दिनों ईरान ने परमाणु मामले पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत का क्रम शुरू किया था, लेकिन पहले इस्राइली और फिर अमेरिकी हमलों ने अब ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बहरहाल, इस्राइली हमलों के जवाब में ईरान ने तेल अवीव व अन्य शहरों पर जमकर मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि, इस्राइल की वायुरक्षा प्रणाली ने अधिकांश को विफल कर दिया है। इस्राइल के कुछ रक्षा प्रतिष्ठान, स्कूल व अस्पताल ईरान के हमलों की जद में आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगातार कबीलाई होता संघर्ष दो मुल्कों तक सीमित रहने के बजाय विस्तार लेने की स्थिति में पहुंच गया है। रूस व चीन की चिंताओं के बीच यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है।

ऐसा भी नहीं है कि ईरान में सब कुछ ठीक है। निरंकुश सर्वोच्च ईरानी नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टरता और स्वतंत्र-प्रगतिशील सोच के दमन के लिये भी जाने जाते हैं। ईरान की बड़ी आबादी खामेनेई के खिलाफ खड़ी रही है। लेकिन इस संघर्ष का बड़ा खतरा विश्व के नये ध्रुवीकरण के रूप में सामने आ सकता है। कहा जाता रहा है कि ईरान के परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम में रूस की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन एक बड़ा संकट यह भी है कच्चे तेल के बड़े स्रोत मध्यपूर्व में इन हमलों के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में भारी उछाल आ गया है। इस संघर्ष के मूल में कच्चे तेल की कूटनीति भी रही है। मध्यपूर्व की अशांति से तेल उत्पादक महाशक्तियों को भारी मुनाफा होता है। कच्चे तेल के दामों में भारी तेजी के कारण कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौट रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर से झटका लग सकता है। बड़ा संकट यह भी है कि इस टकराव का असर उस होरमुज की खाड़ी पर भी हो सकता है जहां से वैश्विक स्तर पर 21 फीसदी कच्चे तेल की सप्लाई होती है। बहरहाल, इस्राइल व ईरान के संघर्ष और उसमें अमेरिका के कूदने से पूरा मध्यपूर्व अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है।

(आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर विशेष आलेख)

आपातकाल: लोकतंत्र का काला अध्याय

हितानंद शर्मा

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वकतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फि?र विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के स्वरस्थि और मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है।

आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्र विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया।

1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मी दवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यवस्?था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2% थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20% से भी ज्यादा थी। देश की 50% से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टाचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्म्य ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडि?स के नेतृत्व में देशव्य पी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार, गुजरात में राष्ट्र पति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी।12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी को गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी।

आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्थान को कुचलने का प्रयास था। यहय संविधान की हत्या की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था। आपातकाल किसी राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ताा बचाने की जिद थी।

संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी थीं, किन्तु उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए एक झटके में उन्होंने लोकतंत्र को तानाशाही में बदलकर रख दि?या और पूरी शासन व्य?वस्था को कठपुतली की तरह उपयोग किया। कांग्रेस सरकार ने विधायिका और न्या यपालिका को बंधक बनाकर सत्ता् के आगे घुटने टेकने को विवश कर दिया था। प्रेस की स्वकतंत्रता पर कुठाराघात किया गया। बड़े-बड़े समाचार पत्र संस्थानों की बिजली काट दी गई। समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सेंसरशिप लगा दी गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया।

21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। आरएसएस, जनसंघ, एबीवीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया।

'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों से आपातकाल के समय में कांग्रेस ने देश को व्यक्ति पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया। किसी भी संवैधानिक पद पर और निर्वाचित जनप्रति?निधि न होने पर भी संजय गांधी देश की नीतियों पर निर्णय ले रहे थे। वह आपातकाल में सत्ता का वास्त?विक केंद्र बन चुके थे। देश के नागरिकों पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज भी इसी परिवारवाद के सीमित सांचे में सिमटकर रह गई है। इंदिरा गांधी की तानाशाही का सबसे भयावह चेहरा यह था कि उन्?होंने अपने पुत्र के माध्?यम से सत्ता को वंशवाद की जकड़ में पूरी तरह से कैद कर लिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उन्हीं की तरह लाखों स्वयंसेवकों ने आपातकाल विरोधी आंदोलन जारी रखा। रातों-रात रेलों में आपातकाल विरोधी पर्चे बांटे, मीसाबंदियों के परिवारों की देखरेख की, भूमिगत रहते हुए आंदोलन की गति बनाए रखी और कांग्रेस की सच्चायई घर-घर तक पहुंचाई। अंततः जनाक्रोश और नागरिकों के बढ़ते दबाव के कारण जनवरी 1977 में चुनावों की घोषणा हुई और मार्च 1977 में हुए चुनावों में जनता पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला। आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जनता को अधिकार देने के लिए जिस संविधान का निर्माण किया, कांग्रेस ने उसी को हथियार बनाकर जनता के अधिकारों को छीना। स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब सरकार ने राष्ट्र के शत्रु नहीं राष्ट्र की जनता को ही बंदी बना लिया। आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। आपातकाल के समय को स्मरण करना इसलिए आवश्यक है, ताकि भविष्य में संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सके, क्योंकि यह प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व भी है।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

तेल की कीमतें तो बढ़ेगी

राकेश दुबे

इजरायल और ईरान के बीच लड़ाई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष अनिश्चितता का एक और द्वार खोल दिया है, जिसका असर भारत पर भी पड़ेगा। चूंकि दोनों पक्षों ने पीछे हटने से इनकार कर दिया है और इजरायल ने अपने लिए जो लक्ष्य तय किए हैं उन्हें देखते हुए यह लड़ाई गहराने और लंबी चलने के आसार हैं। पश्चिम एशिया में छिड़ी इस लड़ाई का फौरी असर तेल कीमतों पर महसूस किया जा सकता है। लड़ाई बढ़ने की आशंका से बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतें पिछले एक हफ्ते में करीब 9 प्रतिशत चढ़ गई हैं।

विश्लेषकों का अनुमान है कि तेल कीमतें मौजूदा 150 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर दोगुनी हो सकती हैं। इससे पहले यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद तेल कीमतें पांच महीने तक 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊंची बनी रहीं। इजरायल और ईरान का विवाद कम से कम दो तरीकों से तेल कीमतों को प्रभावित कर सकता है। पहली बात है उत्पादन। इजरायल ने ईरान के तेल ठिकानों को निशाना बनाया है, जिससे आपूर्ति बाधित हो सकती है।

विश्लेषकों का कहना है कि पेट्रोलियम निर्यातक देशों के समूह के पास कमी पूरी करने की क्षमता है मगर देखना होगा कि वे कितनी जल्दी उत्पादन बढ़ा पाते हैं। मगर यह संघर्ष अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में फैला तो इसके परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं। अनिश्चितता का दूसरा कारण है होरमुज जलडमरूमध्य में रुकावट। दुनिया का एक तिहाई तेल इसी रास्ते से होकर जाता है। कच्चे तेल के साथ गैस की आपूर्ति भी गड़बड़ हो सकती है। पहले ही व्यापारिक अनिश्चितताओं से जूझ रही वैश्विक अर्थव्यवस्था पर तेल-गैस कीमतों में निरंतर इजाफे का बहुत बुरा असर होगा। तेल और गैस की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से सीधे प्रभावित करेंगी। तेल कीमतों में तेजी व्यापार घाटा भी बढ़ा सकती है। इस साल चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 1 फीसदी होने का अनुमान है।

मगर विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक तेल कीमतों में लंबे समय तक तेज इजाफा होता रहा तो चालू खाते का घाटा भी काफी बढ़ सकता है। विदेशी मुद्रा भंडार में भारत महफूज है और बाहरी मोर्चे पर अनिश्चितताओं से आसानी से निपट सकता है। लेकिन चालू खाते के घाटे में इजाफा वित्तीय चुनौतियां पैदा कर सकता है क्योंकि वैश्विक वित्तीय हालात भी तंग होते दिख रहे हैं। ऐसे में तेल कीमतें मुद्रा पर और दबाव डाल सकती हैं।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें वृद्धि और मुद्रास्फीति को सीधे प्रभावित करेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार तेल कीमतों में 10 फीसदी का इजाफा मुद्रास्फीति को 30 आधार अंक बढ़ा सकता है और वृद्धि को 15 आधार अंक कम कर सकता है। तेल कीमतों में अधिक इजाफा ज्यादा प्रभाव डालेगा। रिजर्व बैंक की अप्रैल की मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कच्चे तेल (इंडियन बास्केट) की कीमतें 2025-26 में 70 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद जताई गई है। हालांकि भारत मुद्रास्फीति के मोर्चे पर सहज है, जिस कारण मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों में कटौती जारी रख सकी। मगर तेल कीमतें लगातार ऊंची रहीं तो अनुमानों पर असर पड़ सकता है और मुद्रास्फीति की तस्वीर भी बदल सकती है।

ऊंची तेल कीमतों के कारण सरकार ने उत्पाद शुल्क घटाया अथवा तेल कंपनियों से कीमत का बोझ सहने को कहा तो खजाने पर असर पड़ सकता है। अगर तेल कीमतें आर्थिक वृद्धि पर असर डालती हैं तो भी राजकोषीय स्थिति प्रभावित होगी और राजस्व संग्रह प्रभावित होगा। युद्ध और ऊंची तेल कीमतों से उत्पन्न अनिश्चितता के कारण परिवारों और कंपनियों के खपत एवं निवेश के फैसलों पर असर पड़ सकता है। इसका असर वृद्धि की संभावनाओं पर भी पड़ेगा। भारतीय नीति प्रबंधकों को इससे निपटने में सावधानी बरतनी होगी।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं।

इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

24 जून : 1564 रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस

इन्हीं की रणनीति से मारा गया था शेरशाह सूरी कालिंजर में..

रमेश शर्मा

रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की ऐसी वीराँगना हैं जिनके शौर्य, दूरदर्शिता और रणनीति का प्रभाव कालिंजर से गौंडवाना तक है। लेकिन इतिहास में उन्हें उतना स्थान नहीं मिला जितना उनका योगदान भारतीय संस्कृति की रक्षा में है। उन्हें आमने सामने की वीरता में कोई हरा नहीं पाया। अंततः मुगल सेनापति आसफ खाँ की कुटिल योजना से उनका बलिदान हुआ।

रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को हुआ था। उनके पिता राजा कीर्तिवर्धन सिंह इतिहास प्रसिद्ध कालिंजर के राजा थे। यह राजघराना चंदेल राजवंश था। उनकी माता चित्तौड़ राजघराने की राजकुमारी और सुप्रसिद्ध यौद्धा राणा सांगा की बहन थीं। राणा सांगा का खानवा के मैदान में बाबर के साथ हुये युद्ध में भी राजा कीर्तिवर्धन की भूमिका महत्वपूर्ण थी। इसीलिए खानवा युद्ध के बाद बाबर ने कालिंजर पर आक्रमण किया था। लेकिन जीत नहीं पाया था।

कालिंजर यह किला उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के अंतर्गत आता है । यह राज्य और यह किला भारत के इतिहास के पन्नो पर हर युग की घटनाओं से जुड़ा है। यह कालिंजर का आकर्षण ही है कि लगभग प्रत्येक आक्रांता ने हमला बोला । मेहमूद गजनवी, अलाउद्दीन खिलजी, और शेरशाह सूरी ने भी कालिंजर पर हमला बोला था । आक्रांताओं ने कालिंजर क्षेत्र में हत्याएँ लूट और आतंक तो बहुत किया पर किला अजेय रहा। ऐसी वीरभूमि और साँस्कृतिक गौरव केलिये अपना बलिदान देने की परंपरा में जन्मी थीं रानी दुर्गावती। उनके पिता राजा कीर्तिवर्धन का बचपन में पृथ्वीदेव सिंह था जो कीर्तिवर्धन के नाम से गद्दी पर बैठे । इसलिए इतिहास की पुस्तकों में दोनों नाम मिलते हैं। जिस तिथि को उनका जन्म हुआ वह दुर्गाष्टमी का दिन था। माता देवीजी की भक्त थीं इसलिए उनका नाम दुर्गावती रखा गया । राजा कीर्तिवर्धन ने एक से अधिक विवाह किये थे। परिवार में और भी बेटियाँ थीं। दुर्गावती अपनी माता की इकलौती संतान थीं । इसलिये उनका लालन पालन बहुत लाड़ के साथ हुआ । वे बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, ऊर्जावान और साहसी थीं। जिस प्रकार कालिंजर ने आक्रमण झेले थे । इस कारण राजपरिवार की सभी महिलाओं और राजकुमारियों को भी आत्मरक्षा के लिये शस्त्र संचालन सिखाया जाता था। राजकुमारी दुर्गावती को शास्त्र और शस्त्र दोनों की शिक्षा बचपन से ही दी गयी। वनक्षेत्र में भी अपनी सखियों के साथ निर्भय होकर करती थीं। बचपन से ही उनके साथ उनकी सखी सहेलियों की टोली भी वीरांगनाओं की थी । कालिंजर पर अक्सर हमले होते थे इस कारण वहां के नागरिकों में भी युद्ध कला के प्रशिक्षण का चलन हो गया था । इसी संघर्ष मय वातावरण में दुर्गावती बड़ी हुई । वे हाथी पर बैठकर तीर कमान के युद्ध में भी पारंगत थीं। उनके तीर का निशाना अचूक था । वीरांगना दुर्गावती कितनी साहसी थीं इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे कृपाण से चीते का शिकार कर लेतीं थीं। उनकी माता ने उन्हे इतिहास और पूर्वजों की वीरोचित परंपरा की कहानियाँ सुनाकर बढ़ा किया था। 1544 में उनका विवाह गढ़ मंडला के शासक राजा संग्राम शाह के सबसे बड़े पुत्र दलपत शाह हे हुआ। गढ़ मंडला के शासक गौंड माने जाते थे और कालिंजर के चंदेल राजा सूर्यवंशी क्षत्रिय थे । यदि सूर्यवंशी राजा अपनी पुत्री का गौंडवाना में करते हैं तो इससे संकेत है कि भारत में नगरवासी और वनवासी का कोई भेद नहीं था।

विवाह के एक वर्ष पश्चात रानी ने पुत्र को जन्म दिया। जिसका नाम वीर नारायण रखा। रानी ने जब पुत्र को जन्म दिया तब वे मायके कालिंजर आयीं हुईं थीं। इन्हीं दिनों शेरशाह सूरी का आक्रमण कालिंजर पर हुआ। राजा कीर्तिवर्धन सिंह ने वीरता से युद्ध लड़ा लेकिन खानवा के युद्ध में भाग लेने और फिर बाबर के कालिंजर पर हमले से शक्ति क्षीण हो गई थी। राजा घायल हुये और किले के द्वार बंद करलिये गये। शेरशाह ने किले पर घेरा मजबूत किया और समर्पण की शर्त रखी। समर्पण में रनिवास और राजकोष के समर्पण की भी शर्त थी। राजा ने समर्पण से इंकार कर दिया। घेरा लंबा चला। शेरशाह की सेना में बेचैनी तो हुई पर वह खाली हाथ नहीं लौटना चाहता था। रानी दुर्गावती की एक बहन कमलावती भी थीं। उनके सौन्दर्य और वीरता के भी चर्चे थे। रानी दुर्गावती ने अपने पिता की ओर से संदेश भेजा कि यदि वे राजकुमारी से विधिवत विवाह कर लें तो आधीनता स्वीकार कर ली जायेगी और यह किला भी समर्पित कर दिया जायेगा। शेरशाह ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। योजना पूर्वक सगुन भेजा गया और किले में विवाहोत्सव की गीत संगीत होने लगे। तीसरे दिन शेरशाह को विवाह केलिये किले में आमंत्रित किया गया। शेरशाह किले के मुख्य द्वार की ओर बढ़ा। जैसे ही वह समीप आया किले की तोप चल पड़ी और शेरशाह मारा गया। भारतीय इतिहास के ऐसे गौरव प्रसंगों पर परदा डालने वाले कुछ इतिहासकार यह तो स्वीकार करते हैं कि शेरशाह की मौत किले से आने वाले तोप के गोले से हुई। लेकिन वे कुतर्क देते हैं कि वह तोप का गोला शेरशाह की तोप का ही था जो किले की दीवार से टकराकर लौट आया था। कोई पूछे इन इतिहासकारों से कि क्या तोप के गोले में हवा भरी थी जो दीवार से टकरा लौट आया।

कुछ समय रूककर रानी दुर्गावती गौंडवाना लौट आई। इस घटना के बाद उनकी चर्चा पूरे भारत में हुई। लेकिन रानी दुर्गावती का दाम्पत्य जीवन अधिक न चल सका। 1550 में राजा दौलत शाह की मृत्यु हो गई। तब पुत्र वीर नारायण की आयु मात्र पाँच वर्ष थी। रानी ने अल्पवयस्क वीर नारायण को गद्दी पर बिठाकर राजकाज चलाना आरंभ किया। उन्होंने अपना नौ सदस्यीय मंत्री परिषद गठित की। इसमें कोष, सेना, अंतरिम व्यवस्था, शाँति सुरक्षा आदि के प्रमूख बनाये। मंत्री परिषद के प्रमुख को दीवान पद दिया। इसके साथ रानी दुर्गावती ने अपने पूरे राज्य में कृषि और वनोपज के व्यापार को बढ़ावा दिया। राज्य की आय बढ़ी तो नये निर्माण कार्य भी हुये। उन्होंने अपनी राजधानी सिंगोरगढ़ से चौरागढ़ स्थानांतरित की । चौरागढ़ सुरम्य सतपुड़ा पर्वतीय श्रृंखला पर किला है । सामरिक दृष्टि से यह किला महत्वपूर्ण था । तब गौंडवाना साम्राज्य मंडला, नागपुर से लेकर नर्मदा पट्टी तक फैला था । गौंडवाना राज्य के अंतर्गत कुल 28 किले आते थे । राज्य निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा था। रानी दुर्गावती प्रजा वत्सल वीरांगना थीं । जबलपुर का आधारताल, चेरी ताल और रानीताल का निर्माण कार्य उन्हीं के कार्यकाल में हुआ ।

गौंडवाना राज्य की बढ़ती समृद्धि और ख्याति ही उसपर आक्रमण का कारण बनी । यदि मालवा के सुल्तानों से कुछ राहत मिली तो मुगल सेना ने भारी सेना और तोपखाने से आक्रमण बोला। जो मुगलसेना गौंडवाना पर आक्रमण करने आयी उसका सेनापति आसफ खाँ था। उसने पहले इलाहाबाद में अपना कैंप लगाकर आसपास लूट की लोगों आधीन बनाया। रीवा राज्य को भी समर्पण करने विवश किया । समर्पण का संदेश रानी को भी भेजा गया। रानी ने इंकार कर दिया । मुगल सेना ने जोरदार आक्रमण किया लेकिन पराजित हुआ और आसफ खाँ भागकर वापस इलाहाबाद पहुँचा । उसने अतिरिक्त तोपखाना मंगाया, अतिरिक्तसेना भी बुलाई । और दोबारा हमला बोला। उसने लगातार चार आक्रमण किये। हर आक्रमण में रानी से पराजित हुआ। इन आक्रमणों में जीत के बाद भी उनकी शक्ति क्षीण हुई तो उन्होंने छापामार युद्ध की रणनीति अपनाई। किन्तु आसफ खाँ ने इस बार युद्ध के साथ एक कुटिल योजना पर भी काम किया। उसने अपना कैंप नरई नाले पर लगाया था। आसफ खाँ ने रानी के पास स्थाई समझौते का संदेश भेजा। और बातचीत के लिये अपने कैंप पर आमंत्रित किया। रानी सतर्क तो थीं पर उन्होंने समझौता वार्ता के लिये नाले तक जाना स्वीकार कर लिया। यह नाला गौर और नर्मदा नदी के बीच में था। आसफ खाँ ने अपनी रणनीति के अंतर्गत रानी को नर्मदा के इस पार आने दिया। बेटा वीर नारायण भी उनके साथ था। रानी ने समर्पण करने की बजाय युद्ध करना बेहतर समझा । मुगल सेना उन्हें जीवित पकड़ना चाहती थी । इसलिये उनपर तीरों से हमला किया जा रहा था । जबकि अंग रक्षकों पर गोली और तोपखाना भी आग उगल रहा था । फिर भी रानी ने हार नहीं मानी तभी एक तीर उनके कान के पास और एक तीर उनकी गर्दन में लगा । वे बेहोश होने लगीं । महावत ने उन्हें कहीं छिपकर निकलने की सलाह दी । पर रानी को शत्रु की रणनीति का अनुमान हो गया था । वहाँ से सुरक्षित निकलना सरल न था । उनके पास पुनः समर्पण का संदेश आया । पर उन्होंने पराधीन जीवन से बेहतर स्वाभिमान से मर जाना बेहतर समझा और कटार निकालकर स्वयं पर वार कर लिया । यह 24 जून 1564 का दिन था जब वीरांगना रानी दुर्गावती ने कटार निकालकर स्वयं का बलिदान दे दिया। उनके बलिदान के बाद मुगल सेना राज्य घुसी लूट और हत्याओं के साथ महिलाओं के साथ जो व्यवहार हुआ । वह सब इतिहास के पन्नों में दर्ज है ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

संविधान सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत बैठक संपन्न

भोपाल। ग्वालियर उच्च न्यायालय में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर प्रदेश भर में कांग्रेस द्वारा

संविधान सत्याग्रह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पिपलानी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा चौपाल लगा कर परिचर्चा की गयी।

इस अवसर पर विशेष रूप से टी.आर. गहलोत (ब्लॉक अध्यक्ष, पीपलानी), जी.के. पाठक जी, रामपाल धोसले जी (पूर्व पार्षद), दीपक गुप्ता जी (उपब्लॉक अध्यक्ष, पिपलानी), लोकेन्द्र शर्मा जी, शतीस कनौजिया जी, नैन सिंह जी बमनले, प्रभु दयाल यादव जी (ब्लॉक उपाध्यक्ष), विनोद पिपरैया, दुलीचंद पटेल, टल्ले सिंह, ब्रज लाल मास्टर, देवेन्द्र सिकरवार, बी. डी. शुक्रवारे, कान्ता प्रसाद, राम सिंह सनबने, श्रीपतराही, ओम प्रताप, सिद्धार्थ सिंह, राजेश अहिरवार, राम रैकवार एवं देवेन्द्र प्रताप जी सहित अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही। इस परिचर्चा में सभी ने बाबा साहेब के संविधानिक मूल्यों और संविधान पर विचार-विमर्श किया

आईटीआई में प्रथम चरण में प्रवेश हेतु आवेदकों को कर रहे मैसेज

छतरपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, छतरपुर के प्राचार्य ने बताया कि वर्ष 2025-26 में जिले में स्थित शासकीय आई.टी.आई छतरपुर, बड़ामलहरा, बक्सवाहा, चंदला एवं बिजावर में प्रथम चरण के प्रवेश 24 जून 2025 से 26 जून 2025 तक किया जा रहा है, जिसमें चयनित आवेदकों को सीधे मैसेज भेज दिए गए हैं। संस्था द्वारा आवेदकों को फोन भी इस संबंध में उनके मोबाइल नंबर पर किये जा रहे हैं। आवेदक चयनित संस्था में एमपी ऑनलाइन का एलाटमेंट लेटर, रजिस्ट्रेशन, 8 वीं, 10वीं, 12 वीं की अंक सूची, जाति प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, निवास प्रमाण पत्र, समग्र आई डी, ईमेल आई डी, टी सी की 2 छाया प्रति एवं समस्त मूल प्रमाण पत्र तथा 2 फोटो तथा प्रथम किश्त की फीस 3250 रूपये सहित प्रातः 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित होकर प्रवेश लें। आई.टी.आई. में वर्तमान में पंजीयन कार्य आरंभ हैं संस्था में हेल्प डेस्क पर आकर पंजीयन करा सकते है और अपना प्रवेश हेतु स्थान सुरक्षित करें, संचालनालय द्वारा इस बार प्रवेश में लगने वाली आवेदकों की सुविधा को देखते हुए प्रवेश शुल्क की राशि में बदलाव किया गया है। प्रदेश के समय प्रथम किस्त के रूप मे रुपये 3250 एवं नवंबर, दिसंबर में द्वितीय किश्त देय होगी। महिलाओं को 35 प्रतिशत स्थान प्रवेश हेतु सुरक्षित रखे गये हैं।

उप निर्वाचन प्रेक्षक के लिए लाइजनिंग ऑफिसर, स्टेनो नियुक्त

शहडोल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) अमृता गर्ग ने जानकारी दी है कि मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा जिले के नगर परिषद खांड जिला शहडोल के वार्ड क्रमांक 8 के उप निर्वाचन वर्ष 2025 हेतु भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त श्री नीरज दुबे, मोबाइल नंबर 9425 6792 88 को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक श्री नीरज दुबे प्रथम चरण में 26 जून 2025 तक तथा द्वितीय चरण में 6 जुलाई 2025 से दिनांक 10 जुलाई 2025 तक नगर परिषद खांड के भ्रमण पर रहेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्रीमती अमृता गर्ग ने प्रेक्षक श्री नीरज दुबे के लिए कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग बाणसागर परियोजना श्री प्रकाश सिंह धुर्वे मो.नं.6263120336 को लायजनिंग ऑफिसर एवं श्री प्रदीप निगम कार्यालय नगर परिषद खांड मो. नं. 9755653424 को स्टेनो नियुक्त किया है।

त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण

शहडोल। त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्वाचन का मूल आधार होता है। भारत निर्वाचन आयोग त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने पर विशेष जोर देता है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण संबंधित ईआरओ की देखरेख में बीएलओ के माध्यम से किया जाता है। बीएलओ को बेहतर कार्य संपादन के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। बीएलओ प्रशिक्षण की पूर्व तैयारी के तहत आज विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स अपनी-अपनी विधानसभा में जाकर बीएलओ को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण का शुभारंभ अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाता जिन्होने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है तथा संबंधित मतदान केन्द्र के निवासी है का नाम मतदाता सूची में जोड़ने का काम किया जाएगा। ऐसे मतदाता जो मृत हो चुके हैं या उस मतदान केन्द्र के निवासी नहीं हैं का नाम मतदाता सूची से विलोपित किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ इन कार्यों के लिए आयोग द्वारा निर्धारित प्रपत्र 6, 7 एवं 8 का प्रयोग करते हैं। उनके द्वारा सभी मास्टर ट्रेनर्स को निर्देशित किया गया कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ को सघन ट्रेनिंग प्रदान करें। ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स डॉ. संतोष कुमार पटेल एंव रितेश श्रीवास्तव, निर्वाचन सुपरवाईजर श्री संजय खरे तथा तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

गड्ढे में सड़क या सड़क में गड्ढे, शुरुआती बरसात में चलना हुआ मुश्किल

शहडोल। शहर मे पहली बारिश मे ही लोगो का चलना मुश्किल हो गया है। शहर के प्रमुख चौराहें हो या फिर व्यस्ततम सड़कें सबका हाल बेहाल है। जिन वार्डो की सड़कों की स्थिति कुछ ठीक थी उनकी दशा सीवर लाइन के फेर में बिगड़ गई। जहां-जहां सीवर लाइन बिछाने का कार्य हुआ है वहां की सड़के दल-दल में तब्दील है। नगर विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच नगर वासियों का पैदल चलना भी दूभर हो रहा है।

हर कदम- पर जानलेवा गड्ढे और कीचड़

नगर के झूलापुल से लेकर शारदा मंदिर मार्ग में हर कदम में जानलेवा गड्ढ़े हो चुके हैं। यहाँ गड्ढे मे भरा बरसात का पानी राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है,गड्ढों मे भरे पानी और कीचड़ के चलते लोगो का उसका आकलन लगा पाना मुश्किल हो रहा है, लिहाजा बड़ी गाड़िया तो फस्ती ही है छोटी गाड़ियों से गुजरने वाले लोग अक्सर चोटिल हो जाते है। वही इस मार्ग मे डॉक्टर कॉलोनी होने से दूर दूर के मरीजों का आवागमन बना रहता है जिससे मरीजों को भी तकलीफो का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है इसी मार्ग में कमिश्नर बंगला, जल संसाधन विभाग,आई जी बंगला भी पड़ता है। बावजूद इस मार्ग की दयनीय स्थिति है। जिसके सुधार के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।

गड्ढों में भरता है बारिश का पानी

नया बस स्टैंड से से घरौंला होते हुए पुलिस लाइन जोड़ने वाले मार्ग की स्थिति भी बद से बदतर है। यहां मेन रोड से अंदर आते ही कुछ दूर पर ऐसे बड़े-बड़े गड्ढे हैं कि दो पहिया वाहनों के पहिए निकल नहीं पाते। बारिश होते ही इस मार्ग के गड्ढ़ो में लबा-लब पानी भर जाता है। जिससे कई बार वाहन चालक हादसे का शिकार भी हो चुके हैं। इस मार्ग के मरम्मतीकरण को लेकर पूर्व में स्थानीय लोगों ने विरोध भी दर्ज कराया था इसके भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मुख्य मार्गों पर भी बुरा हाल

मुख्य सड़कों सहित शहर की लगभग सभी वार्डों की सड़कें चलने लायक नहीं बची हैं। कई वार्डो मे तो कीचड़ से सनी रोड से लोग मजबूरन आवागमन कर रहे है। शहर के वार्ड क्रमांक 01 मे स्थानीय लोगो की माने तो यहाँ पार्षद होना न होना एक बराबर है। वही इस वार्ड को गोद लिए नपा अध्यक्ष भी जिम्मेदारियों से किनारा करते नजर आते है।

रेलवे स्टेशन मार्ग भी जर्ज़र

शहरवासियों को रेलवे स्टेशन जाना है तो उन्हें भी एक बार विचार करना पड़ता है, इसका एक प्रमुख कारण रोड मे बड़े गड्ढे होने के साथ लगने वाला जाम है। कई वर्षो से जर्ज़र इस रोड का आज तक सुधार कार्य न हो सका, जो नाम मात्र के लिए जिम्मेदार विभाग द्वारा कराया भी गया वो पहली बरसात मे ही विलुप्त होने की स्थित मे है। विदित हो इस मार्ग मे शहर की बड़ी मेडिकल दुकाने भी स्थापित है ऐसे मे शहर भर के लोग यहाँ दवाई लेने पहुंचते तो है लेकिन उन्हें भी चोटिल होने की आशंका बनी रहती है।

रेलवे स्टेशन रोड पर 2 बैंक बनीं जाम का कारण, यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

बैंक में जाने वाले व्यक्ति गाड़ी रोड पर खड़ी करके चले जाते है जिससे जाम की स्थिति बनती है

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। ओबेदुल्लागंज के रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित दो बड़े बैंकों के कारण यात्रियों को स्टेशन पहुंचने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन बैंकों में आने वाले ग्राहकों के वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और सड़क पर लगातार लगने वाले जाम से पूरा इलाका दिनभर बाधित रहता है, जिसका सीधा असर ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों पर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों और यात्रियों का कहना है कि ये दोनों बैंक रेलवे स्टेशन के रस्ते में स्थित हैं, जिससे यहां ग्राहकों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। बैंक में आने वाले कई ग्राहक अपने वाहन सड़क के किनारे या नो-पार्किंग जोन में खड़े कर देते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और यातायात बाधित होता है। पीक आवर्स में तो स्थिति और भी खराब हो जाती है, जब यात्रियों को अपनी ट्रेन पकड़ने के लिए समय पर स्टेशन पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। एक नियमित यात्री, [राजेश], ने बताया, ÷मुझे हर हफ्ते ट्रेन से यात्रा करनी पड़ती है। लेकिन जब भी मैं स्टेशन आता हूं, मुझे यहां जाम में फंसना पड़ता है। कई बार तो मेरी ट्रेन छूटने का डर भी रहता है। बैंकों को अपनी पार्किंग व्यवस्था बेहतर करनी चाहिए या प्रशासन को इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए।÷

ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों का भी यही कहना है कि इस सड़क पर जाम के कारण उन्हें यात्रियों को समय पर स्टेशन पहुंचाने में दिक्कत होती है। एक यात्री ने कहा कि दोपहर के समय पठानकोट ट्रेन से जाना था, पर बैंक के सामने जाम की वजह से हमारी ट्रेन छूट गई, हमे जहां जाना था वहां नहीं पहुंच पाए और हमारी टिकिट का भी नुकसान हुआ।

इस समस्या को लेकर स्थानीय प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस की उदासीनता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि बैंकों के बाहर पर्याप्त पार्किंग सुविधा न होने के बावजूद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

शहर के नागरिकों और यात्रियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। यातायात पुलिस को इस क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को सुचारु बनाने और अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि रेलवे स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे समय पर अपनी यात्रा शुरू कर सकें। इस समस्या का समाधान न होने पर भविष्य में यात्रियों को और भी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

केवलारी विधायक की अध्यक्षता में भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न

सिवनी। केवलारी विधायक ठा.रजनीश हरवंश सिंह की अध्यक्षता में केवलारी विधानसभा क्षेत्रांतर्गत नगर परिषद छपारा में मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 3032.01 लाख (तीस करोड़ बत्तीस लाख एक हजार रुपए) की राशि से स्वीकृत निर्माण कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिसमें नगर परिषद छपारा में अमृत 2.0 अंतर्गत वॉटर सप्लाई योजना के निर्माण कार्य का भूमिपूजन, नगर परिषद छपारा में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 योजनांतर्गत एस.टी.पी. निर्माण कार्य का भूमिपूजन, वार्ड क्र. 15 शिवाजी वार्ड, देवरीकलां में पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन निकाय क्षेत्रांतर्गत विसर्जन कुण्ड, पार्क, शौचालय, गेट, चैन फैसिंग, लाईटिंग एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्य एवं भूमिपूजन, वार्ड क्र. 09 आजाद वार्ड, अंतर्गत नवनिर्मित पुल से झंडा चौक की ओर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य एवं भूमिपूजन, अमृत 2.0 योजनांतर्गत वार्ड क्र. 14 हनुमान वार्ड में वॉटर बॉडी (तालाब) सौंदयीणकरण निर्माण कार्य का लोकार्पण, अमृत 2.0 योजनांतर्गत वार्ड क्र. 04 तिलक वार्ड ऐरीकेशन में पॉर्क निर्माण कार्य का लोकार्पण, वार्ड क्र. 03 शिवनगर वार्ड, चमारी तिगड्डा में शासकीय कन्या शाला के समीप सुलभ शौचालय निर्माण कार्य का लोकार्पण। कार्यक्रम समेत जनपद जनपद पंचायत छपारा के विभिन्न कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

महिला बाल विकास विभाग व मुस्कान संस्था ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

सांध्य प्रकाश इटारसी, महिला बाल विकास विभाग और मुस्कान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में ईश्वर रेस्टोरेंट में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा उपस्थित रहे। उनके साथ जिला महिला बाल विकास अधिकारी ललित कुमार डेहरिया, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे, सभापति राकेश यादव एवं मनजीत कलोसिया ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह का विशेष आकर्षण सिविल सेवा परीक्षा में 369वीं रैंक हासिल करने वाले इटारसी के सपूत मोनू शर्मा रहे। मुस्कान संस्था द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया और उन्होंने उपस्थित प्रतिभाशाली बच्चों को बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, आज हमारी बेटियां बेटों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे पढ़ाई में भी अव्वल आकर परिवार का नाम रोशन कर रही हैं। मुझे विश्वास है कि आगामी भविष्य में वे नई चुनौतियों का सामना करते हुए एक नया मुकाम हासिल करेंगी। प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान करना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

प्रतिभा सम्मान: 10वीं और 12वीं कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 150 मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। साइबर क्राइम पर कार्यशाला-थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बच्चों को साइबर क्राइम के बारे में विस्तृत कानूनी जानकारी दी और उन्हें साइबर खतरों से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का सफल संचालन अनुष्का शर्मा द्वारा किया गया, जबकि स्वागत उद्बोधन अर्चना मालवीय ने दिया। मुस्कान संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने आभार प्रदर्शन करते हुए बताया कि अब तक लगभग 150 बेटियों को सम्मानित किया गया है और जल्द ही बेटों के सम्मान के साथ-साथ शेष रह गई मेधावी बेटियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुस्कान संस्था की अधीक्षक ऋतु राजपूत, राहुल बनर्जी, नितिन वर्मा आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, कार्यकर्ता और मुस्कान संस्था के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बैरसिया नगर पालिका वार्ड क्रमांक 7 उपचुनाव

पांच प्रत्याशी मैदान में, मतदाताओं में उत्साह चरम पर

बैरसिया।। नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड क्रमांक 7 में उपचुनाव की सरगर्मी तेज़ हो गई है। इस उपचुनाव के लिए अब तक पाँच उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जिनमें दो प्रमुख महिला चेहरे हैं – श्रीमती फ़रीदा इदरीस अहमद और श्रीमती शाइस्ता सुल्तान।

श्रीमती फ़रीदा इदरीस अहमद पूर्व में भी इसी वार्ड से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं और वार्ड की जनता के बीच जानी-पहचानी शख्सियत हैं। इस बार भी उन्होंने नामांकन दाखिल किया है, लेकिन अभी तक कांग्रेस पार्टी ने अपने अधिकृत प्रत्याशी की औपचारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में श्रीमती फ़रीदा अहमद के नाम को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं जारी हैं।

वहीं दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी से श्रीमती शाइस्ता सुल्तान ने भी नामांकन दाखिल किया है। पार्टी के सक्रिय महिला कार्यकर्ता के रूप में पहचानी जाने वाली शाइस्ता को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। इनके अलावा तीन अन्य निर्दलीय अथवा संभावित छोटे दलों से जुड़े उम्मीदवारों ने भी मैदान में उतरकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

7 जुलाई को मतदान, 10 को होगी मतगणना: वार्ड क्रमांक 7 के मतदाता आगामी 7 जुलाई को मतदान करेंगे, जबकि 10 जुलाई को मतगणना होगी। चुनाव को लेकर क्षेत्र के मतदाताओं में खासा उत्साह है और हर गली-चौराहे पर चुनावी चर्चाएं ज़ोर पकड़ रही हैं।

एसडीएम आशुतोष शर्मा की अपील – मतदान करें निर्भीक होकर

चुनाव की तैयारियों को लेकर बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा ने बताया कि प्रशासन निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्भीक और स्वतंत्र रूप से मतदान करें, यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार और दायित्व दोनों है। अब देखना यह होगा कि पांचों प्रत्याशियों में से जनता किसे चुनेगी अपना प्रतिनिधि। विजय का तिलक किसके माथे पर सजेगा, इसका फैसला 10 जुलाई को मतपेटियों से निकलेगा

डॉ. मुखर्जी मौलिक चिंतक,राष्ट्रवादी विचारक,भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थेः शुक्ला

छतरपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय वार्डक्रमांक 33 के बूथ क्रमांक 180 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक श्री उमेश शुक्ला जी ने कहा कि देश के लिए अपना बलिदान देने वाले ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। पूर्व विधायक श्री उमेश शुक्ला जी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय इतिहास की एक ऐसी महान विभूति थे, जिनका जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और दृढ़ संकल्प का प्रतीक रहा है। वे केवल एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक विचारक, शिक्षाविद् और देशभक्त भी थे, जिनके संकल्प आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। आज ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 हटाकर पार्टी के सकल्पों को पूरा किया है।

जन परिषद समारोह में गूंजी दुष्यंत की पंक्ति

जन परिषद एक बिरली संस्था है : इंटरनेशनल मॉडल विद्या जोशी

कल देखोगे इसी बहाने कई मुसाफिर आयेंगे
थोड़ी आंच बची रहने दो
थोड़ा धुआं निकलने दो
कल देखोगे इसी बहाने कई मुसाफिर आयेंगे

दुष्यंत की इस पंक्ति को उद्धृत करते हुए रामजी ने कहा,

आष्टा। जन परिषद का 36 वां स्थापना दिवस का आयोजन एंव सम्मान समारोह स्थानीय सुराणा पैलेस में आयोजित किया गया, कार्यक्रम की मुख्य अतितिथि सुश्री विद्या जोशी पटेल इंटर नेशनल मॉडल दुबई एवं राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव, विशिष्ठ अतिथि प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुलाब बाई ठाकुर, विशेष अतिथि विशाल चौरसिया की उपस्थिति में किया गया,अतिथियों का स्वागत जन परिषद आष्टा चेप्टर के अध्यक्ष रऊफ खान लाला एंव उपाध्यक्ष राजेश सुराणा ने किया,कार्यक्रम में नगर का नाम प्रदेश में रोशन कर 10 एंव 12 वीं क्लास में प्रदेश में 8 वीं एवं 10 रेंक प्राप्त करने वाले छात्रों के अभिभावकों को प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया,वहीं सांदीपनि शासकीय हा. से. स्कूल के प्राचार्य को भी सम्मानित किया गया, आयोजनों में अतुलनीय सहयोग देने वाले स्थानीय पत्रकारों को अतिथियों ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, वहीं स्थानीय पार्षदों नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि,उपाध्यक्ष प्रतिनिधियों का माला पहना कर सम्मान किया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि इंटर नेशनल मॉडल सुश्री विद्या जोशी पटेल ने संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए संस्था के नीस्वार्थ भाव से कार्य करने और अंतिम छोर के व्यक्तियों की मदद करते हुए एंव प्रतिभावों को मंच देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाली संस्था बताया,अपने उदबोधन की शुरुआत राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव ने दुष्यंत की रचना कल देखोगे इसी बहाने कई मुसाफिर आएंगे, से करते हुए जन परिषद प्रारंभिक यात्रा से लेकर संस्था 36 वें वर्ष पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा की ग्रामीण परिवेश के कच्चे रास्तों से गुज़रते हुए विदेशों का सफ़र परिषद ने किया है कई अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार किये है, भारत में संस्था के 275 चेप्टर है वहीं विदेशों में 7 चेप्टर हैं, जन परिषद संस्था नहीं 40 हजार की सदस्ता वाला परिवार है,अंतर राष्ट्रीय गैर राजनितिक संस्था जन परिषद प्रति वर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो की रचनात्मक एवम सामाजिक सुधार के कार्यक्रमों को मूर्त रूप दे रहे हैं,संस्था का मुख्य आधार मानवीय,सामाजिक एवम राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

किसानों को सुगमता से उर्वरक वितरण के लिए अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

छतरपुर। खरीफ मौसम 2025 में किसानों को विक्रय किए जाने वाले उर्वरक सुगमता पूर्वक एवं सुविधाजनक रूप से प्रदाय करने के संबंध में उप संचालक कृषि विभाग द्वारा विकासखण्ड स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। साथ ही पॉस मशीन के माध्यम से पर्ची जारी कर संबंधित उर्वरक विक्रेता के उर्वरक भण्डार गोदाम में जाकर उर्वरक प्रदाय करने के लिए एवं किसानों के आवश्यक सुझाव, कठिनाइयों के निराकरण, आवश्यक व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया गया है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी अपने प्रदाय वर्तमान कार्य के साथ साथ अपने कार्य क्षेत्र में विपणन संघ, सेवा सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के उर्वरक का पॉस मशीन में उपलब्ध मात्रा का भौतिक रूप से मिलान करेंगे।

कांग्रेस में उपेक्षित जाति वर्गों के सीनियर कांग्रेसियों को संगठन में मिले स्थान

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी विभाग मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने कांग्रेस संगठन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पर्यवेक्षक सरदार गुरदीप सिंह सप्पल मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्षअजय सिंह राहुल भैया जबलपुर कांग्रेस संगठन प्रभारी आर के दोगुने सह प्रभारी लक्ष्मण सिंह से भेंट कर कांग्रेस संगठन स्त्रजन के तहत कांग्रेस के हित में अपने सुझाव देते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन में उन जाति वर्गों के सम्मानित कांग्रेसजनों को संगठन में उचित स्थान मिलना चाहिए जो किन्हीं कारणवश कांग्रेस पार्टी द्वारा उन जाति वर्गों को उचित स्थान नहीं दिया गया और वह लंबे समय से उपेक्षित हैं ऐसे जाति वर्गों के लोगों को जिन्होंने कांग्रेस के लिए हमेशा संघर्षरत रहे किंतु उन जाति वर्गों का सही मूल्यांकन ना होने के कारण उपेक्षा का शिकार होते रहे अब आवश्यकता है कि कांग्रेस में ऐसे वर्गों को उचित स्थान मिले जिससे उस वर्ग के लोग कांग्रेस पार्टी से जुड़कर अपना समर्थन दें।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा, प्रदेशकोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी विजय अग्रवाल मुन्ना ठाकुर डॉ मोइन अंसारी अशोक चौधरी संजू शर्मा लखन श्रीवास्तव आदि ने कहा कि आज आवश्यकता है कि कांग्रेस द्वारा संगठन की मजबूती के लिए जो प्रयास किया जा रहे हैं वह सराहनीय हैं आवश्यकता है उसमें सभी जाति वर्गों को उचित स्थान प्राप्त हो।

न्यायालय तहसीलदार छिंदवाड़ा (नगर) जिला-छिंदवाड़ा

// इश्तेहार //

मौजाः- सिवनीप्रमाणमोती
तहसीलः- छिंदवाड़ा।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय कलेक्टर महोदय के माध्यम से आवेदक गुरजीतसिंह बेदी निवासी छिंदवाड़ा श्याम टाकीज छिंदवाड़ा द्वारा मौजा सिवनीप्रमाणमोती तहसील व जिला छिंदवाड़ा में स्थित शासकीय भूमि खसरा नम्बर 334/1 रकबा 0.655 हे. भूमि शैक्षणिक संस्थान एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिये हस्तांतरित आबटन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व छिंदवाड़ा के माध्यम से प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त आधार पर आवेदक को भूमि आबटन किया जाना प्रस्तावित है इस संबध में जिस किसी व्यक्ति संस्थान को यदि कोई दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 27/06/2025 को प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज दिनांक 13/06/2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
छिंदवाड़ा नगर.

एमपी में यहां बनेगा देश का पहला आधुनिक यूनानी हम्माम, मेडिकल टूरिज्म को मिलेगा नया आयाम

स हम्माम का निर्माण हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, कलियासोत की सुंदर पहाड़ियों पर किया जाएगा

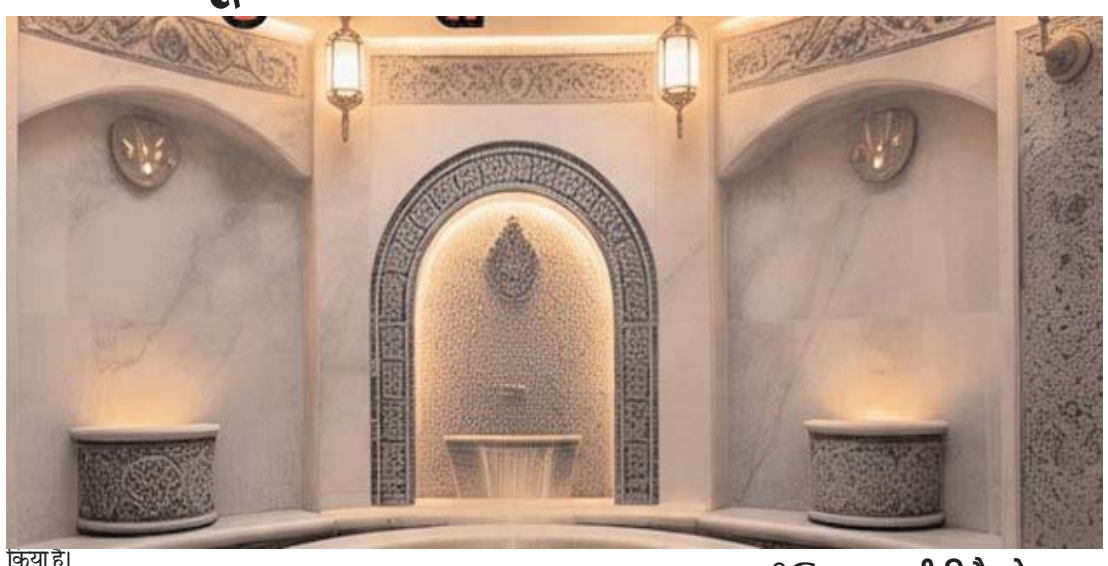

भोपाल। भोपाल जल्द ही देश के पहले आधुनिक यूनानी हम्माम का गवाह बनने जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार पारंपरिक यूनानी चिकित्सा पद्धति को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ मिलाकर एक अनोखा बाथ थैरेपी सेंटर तैयार करने जा रही है। इस हम्माम का निर्माण हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, कलियासोत की सुंदर पहाड़ियों पर किया जाएगा। इस परियोजना की डीपीआर लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा चुकी है और इसे आयुष विभाग को भेजा गया है। वित्त समिति की आगामी बैठक में इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

छह महीने की मेहनत से तैयार हुआ विशेष प्रस्ताव

यह अनूठी परियोजना करीब छह महीने की गहन रिसर्च और योजना के बाद तैयार की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक यूनानी चिकित्सा को नए स्वरूप में पेश करना है ताकि यह न केवल इलाज का माध्यम बने, बल्कि मध्य प्रदेश को मेडिकल टूरिज्म का नया केंद्र भी बनाया जा सके। यूनानी चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञों ने नवाबी दौर के ऐतिहासिक हम्मामों का अध्ययन कर इस नए सेंटर का स्वरूप तय किया है।

तीन चरणों में थैरेपी, हर कमरे में खास तापमान

यह यूनानी हम्माम पारंपरिक और वैज्ञानिक तकनीकों का संगम होगा। थैरेपी को तीन चरणों में विभाजित किया गया है, जिसमें हर चरण एक विशेष तापमान वाले कमरे में होगा। इसका उद्देश्य शरीर की मांसपेशियों को गर्मी प्रदान कर रोगों के उपचार में सहायता करना है।

पूरे देश के लिए मिसाल बनेगा यह प्रोजेक्ट

आयुष विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यह हम्माम परियोजना पूरे भारत के लिए एक आदर्श उदाहरण बनेगी। यह न केवल यूनानी चिकित्सा में विश्वास रखने वालों के लिए एक वरदान साबित होगी, बल्कि चिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार की मिसाल भी बनेगी। भोपाल का यह बाथ थैरेपी सेंटर पारंपरिक विरासत को आधुनिकता से जोड़ते हुए चिकित्सा पर्यटन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

पहला स्नान कक्षः तापमान 36.5°C, शुरुआती रिलैक्सेशन के लिए

दूसरा स्नान कक्षः तापमान 42 से 45°C, गहराई से शरीर को गर्म करने के लिए

तीसरा स्नान कक्ष : तापमान 50°C, गहन चिकित्सा और पसीना निकालने के लिए

हर कक्ष में मरीजों को 10 से 15 मिनट तक रहने की सलाह दी जाएगी। यह विधि शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने, रक्त संचार बढ़ाने और मांसपेशियों को आराम देने में मददगार होगी।

हाईराइज इमारतों से तंग बस्तियों तक में अग्नि सुरक्षा के लिए आधुनिक रोबोटिक फायर मशीन

इंदौर। शहर के निरंतर विस्तार और हाईराइज इमारतों के तेजी से बढ़ते निर्माण को देखते हुए नगर निगम फायर ब्रिगेड को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इस क्रम में सोमवार को इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने फायर रोबोट और अत्याधुनिक फायर फाइटिंग उपकरणों का प्रेजेंटेशन देखा। प्रेजेंटेशन के दौरान महापौर ने कहा कि इंदौर एक प्रगतिशील शहर है, जहां हर दिन नई-नई बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं। ऐसे में शहर की सुरक्षा और विशेष रूप से आग बुझाने की व्यवस्था को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। हम पिछले एक साल से फायर टीम को सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। महापौर ने बताया कि 70 मीटर तक की ऊँचाई पर आग बुझाने में सक्षम विशेष अग्निशमन वाहन की खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ तकनीक भी बदल रही है और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरा ऑपरेटेड फायर सिस्टम की आवश्यकता है जो तुरंत प्रतिक्रिया दे सके। उन्होंने जानकारी दी कि इसी श्रेणी में आज उन्होंने मोबाइल और रिमोट कंट्रोल से संचालित रोबोटिक फायर फाइटिंग मशीन का प्रदर्शन देखा, जो विशेष रूप से तंग गलियों और घनी बस्तियों में आग बुझाने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

उन्होंने कहा कि देश में अब विश्वस्तरीय अग्निशमन उपकरण निर्मित हो रहे हैं। हमने इसी तकनीक का प्रेजेंटेशन पूर्व में मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट के समक्ष भी प्रस्तुत किया था। इंदौर के चारों कोनों में अत्याधुनिक फायर स्टेशन की स्थापना कर हम एक मजबूत फायर नेटवर्क बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस मौके पर नगर निगम के अधिकारी, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया सहित फायर विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

IRS अधिकारी रायचूर बने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के PS

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा (IRS – C&IT) के 2015 बैच के अधिकारी राहुल रायचूर को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी के निजी सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है ।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने श्री रायचूर को पदभार ग्रहण करने की तिथि से और 20 फरवरी, 2028 तक की अवधि के लिए (अर्थात उनके पांच साल के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल की शेष अवधि के लिए) या सह-अवधि के आधार पर या जब तक वे मंत्री के निजी सचिव के रूप में कार्य करना बंद नहीं कर देते या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पद पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वे उप सचिव स्तर के पद का कार्यभार संभालेंगे।

बैंक की छुट्टियां: इसी हफ्ते निपटा लें सारे काम, जुलाई में पूरे 13 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर बैंक संबंधित कोई भी काम है तो फटाफट निपटा लें क्योंकि जुलाई महीने में 13 दिन बैंक बंद रहने वाले है। इन अवकाशों में शनिवार (दूसरा व चौथा) और रविवार के साथ गुरु हरगोबिंद जी जन्मदिन रथयात्रा शामिल है।बैंक बंद होने से चेकबुक पासबुक समेत कई बैंकिंग संबंधित काम प्रभावित हो सकते है, हालांकि ऑनलाइन सेवाएं जारी रहेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, हर महीने के दूसरे/ शनिवार को बैंक बंद रहते हैं. जबकि हर रविवार को साप्ताहिक अवकाश भी होता है. इसके अलावा त्योहारों पर बैंकों में काम नहीं होता है। भारत में बैंक की छुट्टियों में राष्ट्रीय अवकाश (राजपत्रित अवकाश) व सरकारी अवकाश (राज्य/केंद्र) शामिल हैं। राज्य सरकार की छुट्टियां अलग अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं, जबकि केंद्र सरकार की छुट्टियाँ पूरे देश में एक जैसी रहती हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। एक राज्य में किसी दिन अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

3 जुलाई-खर्ची पूजा अगरतला में सभी बैंक बंद, 5 जुलाई-गुरु हरगोबिंद जी के जन्मदिन बैंक बंद, 6 जुलाई- रविवार साप्ताहिक अवकाश, 12 जुलाई-दूसरा शनिवार, 13 जुलाई- रविवार साप्ताहिक अवकाश, 14 जुलाई- बेह डेनखलम, 16 जुलाई- हरेला त्योहार ,17 जुलाई-यू तिरोत सिंह की पुण्यतिथि पर शिलांग, 19 जुलाई-केर पूजा के लिए अगरतला में अवकाश।, 20 जुलाई- रविवार साप्ताहिक अवकाश, 26 जुलाई-चौथा शनिवार, 27 जुलाई-रविवार साप्ताहिक अवकाश, 28 जुलाई-गंगटोक में दरुकपा त्से-जी छुट्टी।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोग लोन लेने में सबसे आगे, शहरी इलाकों में सुस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों ने क्रेडिट मांग में शहरी इलाकों को पीछे छोड़ दिया है। ट्रांसयूनियन सिबिल डेटा के अनुसार, मार्च 2025 तिमाही के दौरान समग्र ऋण मांग में कमी के बावजूद ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की स्थिति मजबूत बनी रही।

देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में क्रेडिट मांग में मजबूती बनी हुई है। वहीं, मेट्रो और शहरी इलाकों में यह रुझान अपेक्षाकृत धीमा पड़ा है। ट्रांसयूनियन सिबिल डेटा के अनुसार, मार्च 2025 तिमाही में देश में समग्र ऋण मांग में कमी देखी गई। इसके बावजूद ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में यह बेहतर स्थिति में है। क्रेडिट मांग का मतलब है जब कोई व्यक्ति बैंक, एनबीएफसी या किसी अन्य वित्तीय संस्था से कर्ज लेता है। क्रेडिट मांग में मजबूती का मतलब ज्यादा निवेश है, जबकि कमजोर मांग मंदी की ओर इशारा करती है।

रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2025 तिमाही के दौरान ग्रामिण क्षेत्रों में क्रेडिट पूछताछ की हिस्सेदारी बढ़कर 22 प्रतिशत हो गई। यह 2023 में और 2024 में 20त्न थी। दूसरी ओर, अर्ध- शहरी क्षेत्रों की हिस्सेदारी भी बढ़कर 30त्न हो गई। यह पिछले साल 29त्न थी और 2023 में 28 प्रतिशत थी। इसकी तुलना में, मेट्रो क्षेत्रों में मामूली गिरावट देखने को मिली। यह मार्च 2023 में 32 प्रतिशत से घटकर 2025 में 29त्न रह गई। शहरी क्षेत्रों ने तीन वर्षों के दौरान 19 से 20 प्रतिशत की स्थिर हिस्सेदारी बनाए रखी।

आंकड़ों से पता चला कि समग्र क्रेडिट मांग में कमी आई है, खासतौर पर युवा उपभोक्ताओं के बीच। आयु वर्ग के लिहाज से देखें तो 26ङ्क35 वर्ष के आयु वर्ग की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। मार्च 2023 और 2024 में यह आंकड़ा 41त्न था, जो 2025 में घटकर 39त्न रह गया है। इस बीच, 25 वर्ष से कम आयु वालों की हिस्सेदारी 17 से 18 प्रतिशत तक स्थिर रही। वहीं 36ङ्क45 वर्ष के आयु वर्ग में पूछताछ बढ़कर 25त्न हो गई है, जो पहले 24त्न थी। 45 से 55 वर्ष और 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की हिस्सेदारी स्थिर बनी रही।

उच्च मूल्य वाले क्रेडिट उत्पादों में कमी

रिपोर्ट में बताया गया कि ऋण मांग में यह कमी उच्च मूल्य वाले क्रेडिट उत्पादों, विशेषकर होम लोन और दोपहिया वाहन श्रेणियों की ओर बदलाव के व्यापक रुझान के बीच आई है। हालांकि, उपभोक्ता ड्यूरेबल्स, पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे उपभोग आधारित ऋण में सितंबर 2024 के बाद से सुधार के संकेत मिल रहे हैं। कुल मिलाकर, रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ऋण लेने की प्रवृत्ति मजबूत है। इससे पता चलता है कि इन क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

9 जुलाई से पहले व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने की कोशिश में भारत-अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका 9 जुलाई से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका की ओर से लगाए गए 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ में छूट खत्म होने से पहले दोनों देश बातचीत में जुटे हैं। व्यापार सौदे में कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्र चुनौतीपूर्ण हैं।

भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत जारी है और दोनों देश इस समझौते को 9 जुलाई से पहले अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से सोमवार को यह जानकारी दी गई। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त कर (टैरिफ) लगाने का ऐलान किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। हालांकि, 10 फीसदी का मूल टैक्स अभी भी लागू है। भारत चाहता है कि उसे इस 26 फीसदी अतिरिक्त कर से पूरी तरह छूट मिल जाए।

जब पूछा गया कि क्या भारत और अमेरिका 9 जुलाई तक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना चाहते हैं, तो सूत्रों ने कहा, हम बहुत उत्सुक हैं। हम बातचीत कर रहे हैं और कोशिश कर रहे हैं। दोनों पक्ष कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समझौता तभी होगा, जब दोनों पक्ष संतुष्ट हों। उन्होंने आगे कहा, हर व्यापार समझौते में कुछ क्षेत्र ऐसे होते हैं जिनमें समस्याएं होती हैं। एक सूत्र ने बताया, भारत के लिए कृषि और डेयरी क्षेत्र सबसे चुनौतीपूर्ण हैं। भारत ने अब तक अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है। अमेरिका चाहता है कि भारत कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल (खासकर इलेक्ट्रिक वाहन), शराब, पेट्रोकेमिकल उत्पाद, डेयरी और कृषि उत्पादों जैसे सेब, सूखे मेवे और जैविक रूप से बदली गई फसलों पर शुल्क में छूट दे। वहीं, भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत कपड़ा, आभूषण, चमड़े के उत्पाद, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगे, तेल बीज, अंगूर और केले जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क में रियायतें चाहता है।

जब पूछा गया कि अगर 9 जुलाई की समयसीमा नहीं बढ़ाई गई तो क्या होगा, तो सूत्रों ने बताया कि फिर 2 अप्रैल वाला कर का स्तर (भारत के मामले में 26 फीसदी) फिर से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर यह छूट नहीं बढ़ाई गई, तो भारत को कुछ मामलों में फायदा हो सकता है और कुछ में नुकसान, खासकर अगर तुलना दूसरे देशों से की जाए। लेकिन उच्च शुल्क (टैरिफ) के कारण अमेरिका भी प्रभावित होगा। सूत्रों ने बताया कि 9 जुलाई के बाद टैरिफ छूट को आगे बढ़ाया जाएगा या नहीं, इस पर पूरी तरह अनिश्चितता बनी हुई है।

गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉ. विघ्नेश दुबे ने INICET में AIR-37 हासिल कर रचा इतिहास

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल (बैच 2019) के मेधावी छात्र डॉ. विघ्नेश दुबे ने INICET परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक 37 (AIR-37) हासिल कर कॉलेज और मध्य प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर कॉलेज की डीन आदरणीय डॉ. कविता एन. सिंह एवं समस्त प्रोफेसरों ने उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसी परीक्षा में उनके साथ डॉ. हर्ष पटेल ने AIR-300 तथा डॉ. आस्था सनाध्या ने AIR-426 प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। तीनों छात्रों को गांधी मेडिकल कॉलेज परिवार की ओर से ढेरों बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ ! इन उपलब्धियों ने कॉलेज को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया है।

गांधी पीआर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भोपाल। दानिश नगर स्थित गांधी पी. आर. कॉलेज में आज प्रातः 6:00 बजे से 7:15 बजे तक 11वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय योग संस्थान (योग संगम) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकीय व अशैक्षिक स्टाफ, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को पूर्व में योग दिवस पहचान पत्र वितरित किए गए थे, जिनमें नाम, समय, स्थान और आयोजक से जुड़ी प्रमुख जानकारियाँ अंकित थीं।कार्यक्रम की शुरुआत ओम मंत्र का जाप और सूक्ष्म व्यायाम से हुई, इसके बाद बंध, प्राणायाम और ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। सभी गतिविधियाँ आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार संचालित की गईं। कॉलेज अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र गांधी ने कहा, ÷योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलन और सामर्थ्य प्रदान करने की भारतीय विधा है। युवा पीढ़ी को इसे अपनाना चाहिए।÷ उन्होंने सभी सहभागीजन का आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को नियमित रूप से करने की बात कही।कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ और सामूहिक संकल्प के साथ किया गया कि जीवन में योग को स्थायी रूप से अपनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राकेश कुमार साहू के नेतृत्व में संपन्न किया गया।

भारत के पास कई हफ्तों का तेल भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक तेल का लगभग 30 प्रतिशत व दुनिया की एक तिहाई एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की प्रतिदिन इस जलडमरूमध्य से होकर ढुलाई होती है। इसके बंद होने से वैश्विक आपूर्ति में तत्काल कमी आएगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी।

अमेरिकी हमले के विरोध में ईरान की संसद ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि अंतिम निर्णय के लिए शीर्ष सुरक्षा निकाय की मंजूरी जरूरी होगी। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले इस संकरे मार्ग से दुनिया में तेल का बड़ा कारोबार होता है। अगर यह बंद हुआ, तो पूरी दुनिया में तेल के भाव बढ़ जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने चीन से आग्रह किया कि वह ईरान को इस मार्ग को बंद करने से रोके। हालांकि, भारत के पास कई हफ्तों तक अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त तेल है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत कई मार्गों से ऊर्जा आपूर्ति प्राप्त कर रहा है। बता दें कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और चौथा सबसे बड़ा गैस खरीदार है। पुरी ने कहा, %सरकार दो हफ्तों से पश्चिम एशिया के हालात पर बारीक नजर रखे हुए है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम पिछले कुछ वर्षों में अपनी आपूर्ति में विविधता लाए हैं। अब हमारी अधिकांश आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं आती। भारत के कुल 55 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल आयात में से लगभग 20 लाख बीपीडी ही इस संकरे जलमार्ग से होकर आता है। हालांकि, भारत ने बीते कुछ साल में रूस, अमेरिका व ब्राजील जैसे अलग-अलग देशों से तेल आपूर्ति सुनिश्चित की है।

पर्यटक बढ़ने से सात साल में 10 लाख होटल रूम की दरकार; 35 लाख लोगों को मिल सकता है रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अनुमान के मुताबिक पर्यटकों की संख्या बढ़ने से सात साल में 10 लाख होटल रूम की जरूरत होगी।फाइव स्टार होटल अब छोटे शहरों में विस्तार की योजना बना रहे हैं। इससे 35 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। घरेलू स्तर पर पर्यटकों की बढ़ रही संख्या के कारण अगले सात साल में होटलों में 10 लाख रूम की जरूरत होगी। इसके लिए हॉस्पिटालिटी सेक्टर अपने आप को तैयार कर रहा है। इससे 35 लाख को रोजगार मिलेगा। इसमें 15-20 लाख नौकरियां छोटे शहरों में होगी, क्योंकि इन्हीं शहरों में फाइव स्टार होटल अपनी विस्तार की योजना बना रहे हैं। रेडिसन होटल समूह के प्रबंध निदेशक निखिल शर्मा कहते हैं, विकसित भारत के लिए ट्रैवल व टूरिज्म एक नींव बन चुके हैं। बड़े देशों की अर्थव्यवस्था में यह क्षेत्र 10 फीसदी जबकि हमारे यहां केवल दो से तीन फीसदी योगदान करता है। ब्रांडेड होटल दूसरे, तीसरे और चौथे शहरों खासकर धार्मिक व सांस्कृतिक शहरों में जा रहे हैं।

डिमांड को देखते हुए रेडिसन समूह 2030 तक 300 होटल खोलने की योजना बना रहा है। इससे कुल संख्या 500 हो जाएगी। 60 फीसदी होटल दूसरे, तीसरे व चौथे स्तर के शहर में होंगे। रेडिसन ऐसा होटल समूह है जो बजट से लेकर प्रीमियम प्रापर्टी में है। यह छोटे शहरों में इस समय ज्यादा विस्तार कर रहा है।

250 करोड़ घरेलू पर्यटक

पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक, 2023 में 1.88 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए। घरेलू स्तर पर 250 करोड़ पर्यटकों ने यात्रा की। कुंभ के दौरान जिस तरह से भीड़ उमड़ी है, उसे देखते हुए उत्तर भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक शहरों में आने वाले समय में ज्यादा पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

सर्वाधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश में

आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में 251 करोड़ पर्यटकों ने देश में यात्रा की। इसमें 47.83 करोड़ के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष पर रहा। उसके बाद तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, राजस्थान व कर्नाटक हैं। 2019 में 23 करोड़, 2020 में 61 करोड़, 2021 में 68 करोड़ व 2022 में 173 करोड़ घरेलू पर्यटकों ने यात्रा की थी। पसंदीदा स्थानों में चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, पंजाब रहे हैं, जहां 83 करोड़ पर्यटक आए।

ई-केवायसी कर हितग्राहियों को तत्काल राशन सामग्री की जायेगी प्रदाय

छिन्दवाड़ा। जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न निरंतर प्राप्त होता रहे इसलिये सभी पात्र हितग्राहियों को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत सम्मिलित शेष रहे हितग्राहियों के ई-केवायसी के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान की 30 जून 2025 अंतिम तिथि नियत है। ई-केवायसी नहीं होने के कारण जिन हितग्राहियों के राशन सामग्री पर रोक लगाई गई है, उन हितग्राहियों से अपील की जाती है कि वे संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान पर उपस्थित होकर ई-केवायसी कराने पर उसी समय उन्हें तत्काल पात्रता के अनुसार राशन सामग्री प्रदाय की जायेगी।

राशन वितरण के लिये परिवहन हेतु लगाये गये 9 अतिरिक्त वाहन

छिन्दवाड़ा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार माह जून-2025, जुलाई-2025 एवं अगस्त-2025 तीन माह की पीडीएस के तहत पात्रतानुसार राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण कराये जाने के निर्देश हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत आबंटित राशन सामग्री को प्रदाय केन्द्र से उचित मूल्य दुकानों तक परिवहन के लिये लागू की गई मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अंतर्गत छिन्दवाड़ा जिले के लिये लगाये गये कुल 23 वाहनों से परिवहन कार्य कराया जा रहा था, किन्तु तीन माह की राशन सामग्री एकमुश्त वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अंतर्गत इन 23 वाहनों के अलावा संबंधित परिवहनकर्ताओं की सहमति के आधार पर 09 वाहन अतिरिक्त लगाये जाने की शासन स्तर से अनुमति प्राप्त कर परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है।

वैश्य महासम्मेलन के सदस्य शोक संतप्त परिवार में संवेदना व्यक्त करने पहुंचे

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारीगण राजेंद्र बाकलीवाल, खुशाल

अग्रवाल और अंकुर शाह आऊ के यहां सांत्वना देने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि विगत 9 जून 2025 को वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के सदस्य अंकुर शाह आऊ के भ्राता श्री कमलेशजी शाह का तथा दिनांक 12 जून 2025 को श्री राजेंद्रजी बाकलीवाल की मातृश्री कमलादेवी बाकलीवाल का और दिनांक 16 जून 2025 को वरिष्ठ सदस्य खुशाल अग्रवाल जी की सहधर्मिणी श्रीमति तरुणा जी अग्रवाल का दुःखद निधन हो गया था । सदस्य के परिवार में गमी होने पर वैश्य महासम्मेलन के सदस्यगण शोक संवेदनाएं व्यक्त करने सामूहिक रूप से जाते है। इसी परम्परा का निर्वहन करने सर्वश्री विजय झांझरी, जे पी नेमा, नीरज भारद्वाज, अनिल सिंघई, नितिन जैन नाना, राजेश सोनी मार्बल वाले, अशोक पाटोदी, संदीप जैन, नीलेश जैन, मुकुंद अग्रवाल, अनिल जैन शिक्षक, विकास वात्सल्य, चैनकुमार जैन, सुनील जैन, अरुण शाह आऊ, अजय पिंटू चौरसिया, पंकज जैन, संजय साहू, चेतन जैन चानी, शैलेन्द्र जैन एम आर, विशाल माहेश्वरी, मनीष गुप्ता, श्रीराम सोनी, कुंज राठी, पंकज भारद्वाज नटवर जाखोटिया, मनमोहन चांडक, सुरेंद्र जैन विजको आदि सदस्य तीनों परिवारों में बैठने गए एवं शोक संवेदनाएं व्यक्त किए।

नहरों एवं लिफ्ट एरीगेशन निर्माण कार्यों की लेट लतीफी पर जाहिर की नाराजगी

छिन्दवाड़ा। माचागोरा पेंच व्यपवर्तन परियोजना एवं

कन्हान कॉम्पलेक्स के अंतर्गत चल रहे नेहरों एवं लिफ्ट एरीगेशन सहित अन्य निर्माण कार्यों को लेकर सांसद बंटी विवेक साहू ने सांसद कार्यालय में परियोजना के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने इस परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की लेट लटीफी पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो ठेकेदार निर्माण कार्यों में लापरवाही बरत रहे या समयसीमा में कार्य पूर्ण नहीं कर रहे तो उन्हें टर्मिनेट करते हुए ब्लैक लिस्ट किया जाये। सांसद श्री साहू ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन नहरों का काम पूर्ण नहीं हो पाया है उन्हें शीघ्र पूर्ण करें साथ ही जो नहरे टुटी हुई है या जिन नहरों से पानी का रिसाव हो रहा है उन्हें भी जल्द ठीक कराए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि माईक्रो वन के अंतर्गत चौरई से जमुनियां - गोपालपुर तक जो गांव छूट गये है उन्हें शीघ्र परियोजना में शामिल कर वहां भी लिफ्ट एरीगेशन से जोड़ा जावें एवं चौरई बरेलीपार के आस-पास के लगभग 12 ग्रामों को माचागोरा डेम का पानी कैसे पहुंचे इस संबंध में चर्चा की गई।

पेयजल हेतु नल कनेक्शन दिए जाने की मांग, निगम में सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। नगर के सिवनी रोड स्थित वार्ड क्रमांक 22 शक्कर मिल के पीछे निवासरत सैकड़ों परिवार वर्षों से

मूलभूत सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। बारिश के समय सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है इसके चलते आवागमन बेहद परेशानी भरा होता है। नगर निगम की जलप्रदाय योजना से भी वंचित है। कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के द्वारा शक्कर मिल के पीछे निवासरत परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा के आयुक्त से की गई। कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के नेतृत्व में असुविधाओं का सामना करने वाले परिवार के लोगों ने निगम कार्यालय पहुंचकर अविलम्ब नल कनेक्शन प्रदान करने के साथ ही पक्की सड़क निर्माण की मांग रखी।

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा...

गांव की समस्याओं से अवगत कराने में कोटवार निभाएं सक्रिय भूमिका: कलेक्टर

सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत के निर्देश, हर व्यक्ति की जान है अनमोल, शत-प्रतिशत समग्र ई-केवाईसी कराने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

नल-जल योजना की समीक्षा- कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में नल-जल योजना की प्रगति की समीक्षा की। पिछली बैठक में सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए थे कि वे गांवों में जाकर योजना के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति की स्वयं जांच करें। बैठक में उन्होंने जानकारी ली कि एसडीएम द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार स्थल निरीक्षण किया गया या नहीं, और यदि किया गया है तो वहां कार्य की क्या स्थिति पाई गई।उन्होंने कहा कि योजनाओं की जमीनी स्थिति को जानना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। अपने क्षेत्र में शासन की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन कराने की जिम्मेदारी सभी एसडीएम की है। उन्होंने पी.एच. ई के दोनों कार्यपालन यंत्रियों से भी साप्ताहिक लक्ष्य पूर्ति की जानकारी प्राप्त की और सभी लंबित कार्य गति और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के सख्त निर्देश दिए।

गांव की समस्याओं से अवगत कराने में कोटवार निभाएं सक्रिय भूमिका: बैठक में कलेक्टर सिंह ने विशेष रूप से कोटवारों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में कोटवार को इसलिए नियुक्त किया गया है ताकि वह गांव में उत्पन्न होने वाली समस्याओं, आवश्यकताओं एवं संवेदनशील घटनाओं की जानकारी से अधिकारियों को समय पर अवगत करा सकें। यह उनकी प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि वे कोटवार व्यवस्था को और अधिक सक्रिय बनाएं तथा कोटवारों से अनिवार्य रूप से सतत संवाद रखें। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रशासन तक हर जरूरी सूचना समय पर पहुंचे।

शत-प्रतिशत समग्र ई-केवाईसी कराने के निर्देश: बैठक में समग्र ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए सिंह ने बताया कि जनपद पंचायत हर्रई, तामिया, जुन्नारदेव, मोहखेड़, चौरई और नगर निगम क्षेत्र में अपेक्षा के अनुरूप प्रगति नहीं आई है। उन्होंने इन क्षेत्रों में कार्य में तेजी लाने और जिले में शत-प्रतिशत समग्र ई-केवाईसी का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

स्वस्थ लिवर अभियान की गति बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर ने प्रदेश में प्रारंभ हुए स्वस्थ लिवर अभियान की जिले में प्रगति की समीक्षा की, जिसमें कुछ क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सीएमएचओ सहित सभी एसडीएम और बीएमओ को निर्देश दिए हैं कि वे इस अभियान को प्राथमिकता में रखें और अभियान की गति में सुधार लाएं, जिससे लक्ष्य समय पर पूर्ण हो सके।

सीएम हेल्पलाइन में प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्ता के साथ निराकरण हो: सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जिले इस बार भी ए ग्रेड के साथ टॉप 10 जिलों में शामिल रहा है, लेकिन हमें टॉप 5 का किए प्रयास करना है। सतत निगरानी के बावजूद कुछ विभागों की कार्यशैली में सुधार नहीं हो रहा है, जिसके कारण जिले की समग्र रैंकिंग प्रभावित हो रही है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्ता के साथ निराकरण सुनिश्चित कराएं और अभी से इस कार्य में जुट जाएं।

सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत के निर्देश, हर व्यक्ति की जान है अनमोल: बैठक में कलेक्टर सिंह ने सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की और ब्लैक स्पॉट्स पर आवश्यक रिपेयरिंग वर्क को लेकर दिए निर्देशों के पालन की समीक्षा की। विशेष कर एन.एच.ए.आई को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़कों पर जहां-जहां गड्ढे हैं और ब्लैक स्पॉट्स हैं, वहां आवश्यक मरम्मत और रेक्टिफिकेशन का कार्य शीघ्र कराएं। उन्होंने कहा कि एक-एक व्यक्ति की जान कीमती होती है, इसलिए सड़क सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

समय सीमा की बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, प्रभारी एडीएम श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, एसडीएम छिंदवाड़ा श्री सुधीर जैन, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल पटेल एवं आर.के.मेहरा, उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अन्य एसडीएम, तहसीलदार सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी से जुड़े थे।

आपातकाल, बेलगाम व निरंकुश सरकार

इमरजेंसी के दौरान विपक्षियों को जेल में डालने के बाद अदालतों को हदों में बांधने का अभियान शुरू हुआ। 22 जुलाई 1975 को संविधान का 38वां संशोधन लाया गया। उसके जरिए इमरजेंसी की घोषणा को न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर कर दिया गया। राष्ट्रपति, राज्यपाल, केंद्र शासित प्रमुखों द्वारा जारी अध्यादेशों को अविवादित मानते हुए उन्हें न्यायिक पुनर्विचार से पृथक माना गया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लंबित अपील के फैसले का इंतजार नहीं किया गया। 10 अगस्त 1975 को पेश 39वें संशोधन ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा लोकसभा स्पीकर के निर्वाचन से संबंधित विवादों को न्यायिक परीक्षण से मुक्त कर दिया।

1971 में चुनी लोकसभा का कार्यकाल 1976 में पूर्ण हो रहा था। उस समय तक इंदिरा गांधी चुनाव को लेकर मन नहीं बना पाई थीं। 42वें सवंशोधन ने लोकसभा के कार्यकाल को भी पांच वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया। इसी संशोधन के जरिए संसदीय स्वीकृति लेकर बार-बार एक-एक वर्ष के लिए अपनी सरकार का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता था। सत्ता की मनमानी और उसे मजबूत करने की कोशिशों ने संविधान को माखौल में बदल दिया। वह आपातकाल ही तो था जब संविधान को विकृत किया गया। लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। संसद को रबर स्टैंप बना लिया गया। मीडिया पर सेंसरशिप लागू कर दी गई। यहां तक कि न्यायपालिका को भी पंगु बना दिया गया। सच कहूं तो, तानाशाह प्रवृत्ति ने... भारतीय नागरिकों की बुनियादी आजादी भी छीन ली।

यह परम सत्य है कि...

आजाद भारत में आजाद के दूसरी लड़ाई आपातकाल के दौरान लड़ी गई। 21 मार्च 1977 का वह शुभ दिन जब देश में ''गैर-कांग्रेसी'' सरकार का गठन हुआ।

नई सरकार ने सबसे पहले संविधान को, बंधन-मुक्त एवं लोकतंत्र को पुर्नस्थापित किया। आपातकाल की 50वीं वर्षगाठ पर इंदिरा सरकार, उसकी निरंकुशता, शोषण, अत्याचार और कभी ना भूल सकने वाले जख्मों की कहानियां का जिक्र हम समय-समय पर करते आए हैं। ये कहानियां 1975 के बाद जन्मी आबादी और खासकर युवाओं को बार-बार सुनाने की आवश्यकता है।

देश की आजादी हो या आजाद भारत में आजादी की दूसरी लड़ाई। संविधान को बंधन-मुक्त करने की बात हो, या फिर लोकतंत्र को पुनर्स्थापित करने की...यह सब हमें आसानी से नहीं मिली है। इसके लिए लंबा संघर्ष किया गया है, कुर्बानियां दी गई है।

दीनदयाल मोहने
लोकतंत्र सेनानी छिंदवाड़ा

यूपीएस पर बड़ा अपडेट, डेडलाइन बढ़ी, रिटायरमेंट के बाद कितनी होगी पेंशन

केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। केन्द्र सरकार ने पीएस और एनपीएस में से किसी एक को चुनने की समय सीमा बढ़ा दी है। अब कर्मचारी 30 सितंबर 2025 तक विकल्प चुन सकते है ।पहले यह तिथि 30 जून थी। बता दे कि देश में 1 अप्रैल 2025 से लागू है। अबतक 27 लाख नामांकित कर्मचारियों में से केवल 1,500 ने यूपीएस का विकल्प चुना था, जो 0.05त्न से भी कम है।

केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने आदेश में लिखा है कि मौजूदा पात्र कर्मचारियों, पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों और मृतक पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथियों को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को के तहत अपना विकल्प चुनने के लिए तीन महीने यानी 30 जून 2025 तक की अवधि दी थी जिसे अब तीन महीने यानी 30 सितंबर 2025 तक बढ़ाने का फैसला किया है।

कैलकुलेटर से चेक करें कितनी मिलेगी पेंशन?

वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने यूपीएस के लिए कैलकुलेटर जारी कर दिया है।सरकारी कर्मचारी यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) कैलकुलेटर का उपयोग कर अपने पेंशन अनुमान की गणना कर सकते हैं।कैलकुलेटर में आपको अपनी जन्म तिथि, नौकरी ज्वाइनिंग की डेट, रिटायरमेंट ऐज, मंथली बेसिक सैलरी, सालाना सैलरी ग्रोथ आदि की जानकारी देनी होगी।

भाजपा नगर मंडल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई

अमरवाड़ा। राम मंदिर प्रांगड़ में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा की अध्यक्षता में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया वही पौधारोपण का भी कार्यक्रम किया गया ओर पौधा लगाए गए । कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की विकास उपलब्धियों पर चर्चा हुई। पंचायत स्तर पर बूथ सशक्तिकरण को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा, पूर्व नगर पालिका अश्यक्ष नविन जैन, वरिष्ट भाजपा नेता पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन, वरिष्ट भाजपा नेता बालकृषा साहू विनोद चौरसिया सुरेश साहू , सुनील जैन नपा.सभापति राजकुमार बरकडे,, जी,महामंत्री आशु चंचल चचड़ा, उपाध्यक्ष राजेंद्र राजू सराठे, उपाध्यक्ष सौरभ पियूष चौरसिया, सभापति अर्पित श्रीवास्तव, सुदेश नागवंशी, शोशल मिडिया सहप्रभारी अखिलेश डेहरिया,केदार डेहरिया आदि उपस्थित थे।

अवैध रूप से मदिरा बेच रहे होटल ढाबा संचालक पर कार्यवाही

छिंदवाड़ा। कलेक्टर ज़िला छिंदवाड़ा शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में एवं ज़िला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में शहर के आबकारी अमले द्वारा सायंकाल को होटल ढाबा संचालकों के विरुद्ध कार्यवाही प्रारंभ की इस कार्यवाही में शहर और रिंगरोड के आसपास संचालित आदित्य ढाबा, उड़ता पंजाब ढाबा, खालसा ढाबा, शुक्ला ढाबा, मलंग ढाबा के संचालकों के विरुद्ध प्रकरण कायम कर कुल 26 कैन बीयर , 2 बोतल स्कॉच व्हिस्की ,22 पाव अंग्रेजी व्हिस्की, 34 पाव प्लेन एवं मसाला जब्त कर कब्जे आबकारी ली। साथ ही अन्य ढाबा संचालकों को सख्त हिदायत दी कि ढाबा परिसर में अवैध मदिरा का विक्रय न करें, न ही मदिरापान कराया जाए अन्यथा नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही में एडीईओ कैलाशचंद्र चौहान, भारती गोंड, आबकारी उपनिरीक्षक हर्ष सोनी, रुचि बागरी के साथ ही आबकारी अमला उपस्थित रहा। यह कार्यवाही सतत् रूप से चलती रहेगी।

भोजनालय और ढाबे बने नशे के अड्डे

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव कस्बे के व्यावसायिक क्षेत्रों में, जहां कभी होटल और भोजनालय भोजन के लिए मशहूर थे, आज वे अवैध शराब बिक्री और नशेड़ियों की भीड़ के कारण चर्चा में हैं। इनमें सबसे चर्चित नाम मानसी भोजनालय का है, जो अब आम लोगों की नहीं, शराबियों की पसंदीदा जगह बन गया है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि हर रात शराबियों की भीड़ जमा होती है, और उसके साथ शुरू होता है गाली-गलौज, आपसी झगड़े, और पूरी मार्केट में शोरशराबा।

बाजार का माहौल इतना असुरक्षित हो चुका है कि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग वहां से गुजरने में डरने लगे हैं।*

जनता की मांग- मानसी भोजनालय समेत जुन्नारदेव के सभी ढाबों और होटलों की जांच हो, अवैध शराब बिक्री तत्काल रोकी जाए, शराबियों और इनके पीछे के संरक्षकों पर सख्त कार्रवाई हो, प्रशासन की चुप्पी बनी सवाल। कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन प्रशासन अब तक चुप है। क्या ये चुप्पी लापरवाही है या मिलीभगत यह जांच का विषय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के संकल्प को किया साकार: शेषराव

छिंदवाड़ा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को जिला भाजपा कार्यालय में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, महापौर विक्रम अहाके, लोकतंत्र के सेनानी पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश पोफली, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय झांझरी सहित भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे महानायक थे जो आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांप लिया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी से पहले अंग्रेजों के बंगभंग करने की साजिश को भांपकर आंदोलन चला दिया था। उन्होंने कहा कि देश के लिए अपना बलिदान देने वाले ऐसे सपूत को श्रद्धांजलि देने हम यहां एकत्रित हुए हैं जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें संदेश देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की। ऐसे राष्ट्रनायक का स्मरण करना मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र को सशक्त करने का माध्यम है।

देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुरोधा थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: सांसद

छिन्दवाड़ा। भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाते हुए सोमवार को भाजपा छिंदवाड़ा पातालेश्वर नगर मंडल के वार्ड क्रमांक 15 में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सांसद बंटी विवेक साहू ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके की।

बलिदान दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि डॉ. मुखर्जी जी राष्ट्रीय एकता के सच्चे सूत्रधार थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर में विभाजनकारी तत्त्वों से कभी समझौता नहीं किया और सत्ता को तिलांजलि देकर नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना से देश को राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने वाला राजनीतिक विकल्प दिया और जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर कर दिए। मातृभूमि के ऐसे सच्चे उपासक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जीवन असंख्य भारतीयों को युगों-युगों तक मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। लाल पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात सांसद बंटी विवेक साहू एवं उपस्थित जनों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता पीतांबर डोडानी, तरुण किंद्रा, कुंदन मिगलानी, विशाल शर्मा, नरेश साहू, पिंकी गुगनानी, सभापति बलराम साहू,सनी मालवीय, अरविंद राय, संजीव साहू, जसमीत रिंकू बेदी, पूर्व प्राचार्य डॉ. आनदेव, नीरज पटेल, संतलाल बत्रा, सीताराम उइके, बीटी जावा, सुनील बघेल, नितेश गुप्ता, दुष्यंत दुबे, अमिता बारहिया, धर्मेंद्र वंशकार, आशीष बारहिया, अतुल माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक गण व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

करोड़ में बनेगा तीन सौ दुकानों का शॉपिंग कॉम्पलेक्स में होगी विशाल पार्किंग और लिफ्ट

सांध्य प्रकाश बैतूल। विधायक हेमंत खंडेलवाल के विशेष प्रयासों से नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना को नया स्वरूप मिला है। इस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की नई निविदा जारी कर दी गई है। अब 27 जून को इस महत्वाकांक्षी योजना के ई-टेंडर खुलेंगे। वर्ष 2015 में विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा इस योजना की नींव रखी गई थी। उन्होंने गंज क्षेत्र में मौजूद सभी छोटे-बड़े व्यापारियों से बैठक कर उनकी आवश्यकताओं को समझा और एक सुव्यवस्थित, सुविधायुक्त और आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण की योजना को मूर्त रूप देने के लिए नगर पालिका को निर्देशित किया था। योजना का पहला टेंडर 2017 के अंत में जारी हुआ और निर्माण कार्य की शुरुआत भी की गई, लेकिन निर्माण कार्य बार-बार अटकता रहा। विभिन्न तकनीकी, प्रशासनिक और वित्तीय अड़चनों के चलते कार्य स्थगित होता रहा। पुरानी एसओआर दरें, बाजार में निर्माण सामग्री की महंगाई और ठेकेदार की असमर्थता जैसी समस्याएं सामने आईं जिससे परियोजना अधूरी रह गई। परंतु विधायक हेमंत खंडेलवाल ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया। और इस प्रोजेक्ट को हर हाल में पूरा करने का संकल्प लिया। नए प्राक्कलन में बेसमेंट पार्किंग लिफ्ट की सुविधा, हर ब्लॉक में व्यापारियों के लिए सुविधाजनक पहुंच और हाई क्वालिटी की सुविधाएं शामिल की गईं हैं। वर्तमान समय के

अनुरूप योजना में जीएसटी दरों को समायोजित कर दिया गया है। जिससे अब कोई कानूनी या वित्तीय अड़चन शेष नहीं है। सभी पूर्व से व्यवसाय कर रहे चिन्हित दुकानदारों का व्यवस्थित व्यवस्थापन पूर्व अनुसार किया जायेगा। नगर पालिका द्वारा तैयार की गई संशोधित निविदा में लगभग 300 दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है। जिसमें रामलीला मैदान के लिए भी एक स्वतंत्र खंड रखा गया है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में विशाल पार्किंग एरिया होगा। जो 2758 वर्गमीटर यानी लगभग 29600 वर्गफीट में बनाया जाएगा। इस बेसमेंट पार्किंग में एक साथ 60 कार और 200 बाइक खड़ी की जा सकेंगी। जिससे क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान होगा। 1826.32 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस आधुनिक कॉम्प्लेक्स में कुल 300 दुकानें बनाई जाएंगी। जिनमें एच ब्लॉक के अंतर्गत रामलीला मैदान क्षेत्र में 460 वर्गमीटर लगभग 10 हजार स्क्वायर फीट में फैले इस भाग में ओपन आडोटोरियम रामलीला मंच तथा पूरा क्षेत्र कवर्ड रहेगा। व्यापारियों को सुव्यवस्थित व्यापार की सुविधा मिलेगी। जिससे यह कॉम्प्लेक्स बैतूल के गंज बाजार क्षेत्र को पूरी तरह आधुनिक रूप देने की ओर अग्रसर है। विधायक हेमंत खंडेलवाल की लगातार मॉनिटरिंग और प्रयासों से यह प्रोजेक्ट अब मूर्त रूप ले रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आयोजित

सांध्य प्रकाश बैतूल। निराकरण में विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासन की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों में जनसामान्य को समय पर सीधा लाभ मिले। इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करें। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में आयोजित समय सीमा की बैठक में दिए। कलेक्टर सूर्यवंशी ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश सभी विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों के निराकरण पर भी सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें। कोई भी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में कोताही न बरते। उन्होंने कहा कि अधिक शिकायतों वाले विभाग प्राथमिकता से अपनी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं।

अंत्येष्टि, अनुग्रह सहायता के प्रकरणों के निराकरण में लाए प्रगति: कलेक्टर सूर्यवंशी ने पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में हर घर नल से जल में प्रगति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा कर सभी नपा सीएमओ को योजना के तहत बनाए गए आवास पूर्ण होने पर पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीओ तथा संबंधित अधिकारियों को नामांकन, सीमांकन, डायवर्सन, बटवारा के प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नजूल पट्टों, धारा 20 केसेस, भूमि आवंटन केस, वसूली के कार्यों की भी समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ई-ऑफिस व्यवस्था के तहत फाइल्स का करें संचालन: कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि कोई भी विभाग अब हार्ड कॉपी में फाइल का संचालन नहीं करेगा। सभी विभाग ई ऑफिस व्यवस्था के तहत फाइल्स का संचालन करें। सभी अपने कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली को गति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन अभियान की गतिविधियां सतत जारी रहे। अभियान के कामों की विस्तृत जानकारी निर्धारित पोर्टल पर भी अपलोड करें।

वाराणसी में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

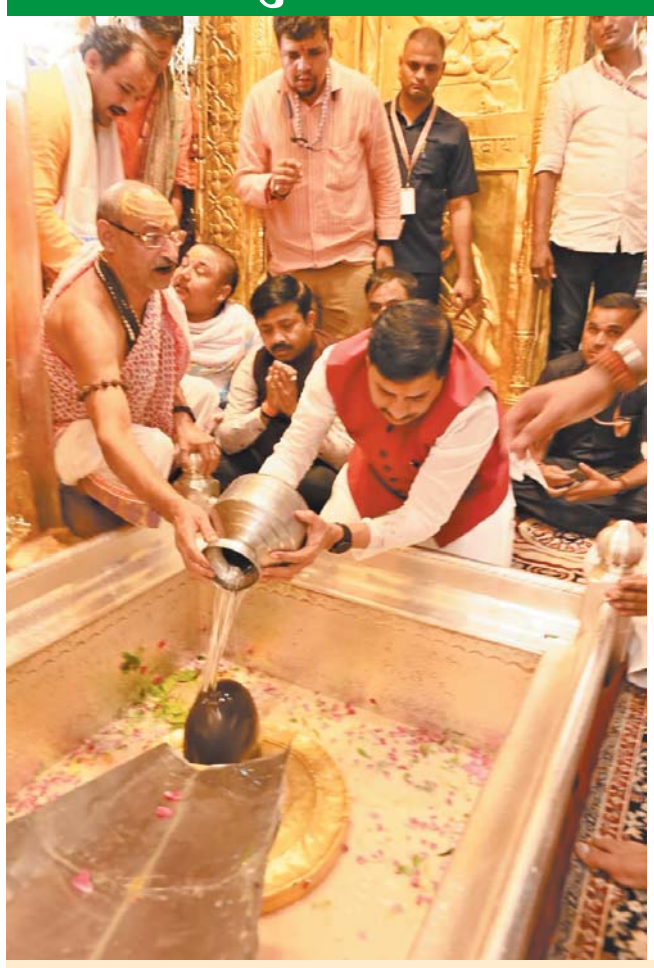

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन कर पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की आज वाराणसी प्रवास के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर से आत्मीय भेंट की। इसके बाद मंदिर से जाते समय रास्ते में रूककर नारियल पानी पिया।

पेज एक का शेष...

डॉ. राम माधव की पीड़ा से सहमत

लेखक के विचारों में सावरकर की....

संकल्प है. देश ने पहले कभी भी इतनी दृढ़ता से अपना पक्ष नहीं रखा. हमें इस बात से भ्रमित नहीं होना चाहिए कि किसने क्या कहा. सरकार, भारत और उसके लोग देश के साथ दृढ़ता से खड़े हैं, राष्ट्र सर्वोपरि, और यही हमारा राष्ट्रवाद है. जो लोग तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार रुख अपनाते हैं, वे भारत की मानसिकता और धारा में नहीं हैं. जब हम आंतरिक रूप से मजबूत बनेंगे, तभी हम अपनी रणनीतिक स्थिति को बाहरी रूप से आकार दे सकेंगे.

डॉ. राम माधव की पीड़ा से सहमत: उन्होंने आगे कहा कि लेखक डॉ. राम माधव की पीड़ा से मैं पूरी तरह सहमत हूं. वे वैश्विक बहुपक्षवाद के लगातार पतन की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं और भारत को भावुक आदर्शवाद त्यागकर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं. राष्ट्र की रणनीतिक सोच की जड़ों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा अमेरिकी विचारक जॉर्ज टन्हैम ने तीन दशक पहले यह विचार रखा था कि भारत में उसकी हिंदू दार्शनिक जड़ों के कारण रणनीतिक सोच का अभाव है, और इस पर कई लोगों ने सहमति जताई थी. लेकिन राम माधव की यह किताब उस विचार को गलत सिद्ध करती है. जॉर्ज टन्हैम का विश्लेषण भारत की सदियों पुरानी धरातलीय सच्चाई से कोसों दूर था. राजधर्म (नीति सम्मत राज्य संचालन) और धर्मयुद्ध की महाभारत में अवधारणा, अशोक के अभिलेखों में धम्म नीति और चाणक्य का मंडल सिद्धांत- ये सभी रणनीतिक सोच के प्रमाण हैं. ये सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं, और वर्तमान चुनौतीपूर्ण समय में तो इनकी आवश्यकता और भी अधिक है.

'हमें आसानी से गलत समझा जाता है: उन्होने आगे कहा कि आज के समय में हमें आसानी से गलत समझा जाता है. विडंबना यह है कि जब आप सच्चाई कहते हैं, तो चाटुकारिता की मानसिकता हावी हो जाती है और जो आरोप वास्तव में दूसरों पर लगने चाहिए, वे आपके ऊपर थोप दिए जाते हैं. यहां तक कि 1950 के दशक के फैबियन समाजवादी भी उस दिशा से असहमत नहीं हो सकते, जिस दिशा में देश अग्रसर है. और हम क्या पाना चाहते हैं? हम भारत का निर्माण नहीं कर रहे- भारत का जन्म 15 अगस्त 1947 को नहीं हुआ था. हमने उस दिन केवल औपनिवेशिक सत्ता से मुक्ति प्राप्त की थी. सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:, यही हमारी विचारधारा है. सब सुखी हों, सब निरोगी रहें।

रक्तदान शिविर लगाकर मनाया संगठन का स्थापना दिवस

रक्तदान कर्ताओं को संगठन ने दी आजीवन सदस्यता नि:शुल्क

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की तत्वावधान में संगठन की स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की राजधानी भोपाल में रक्तदान शिविर का आयोजन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष माननीय गोविंद गोयल जी के नेतृत्व में 10 नंबर मार्केट में लगाया गया । मध्य प्रदेश भोपाल के शासकीय हमीदिया अस्पताल ने अपना सहयोग पूर्ण ब्लड डोनेशन वाहन व्यवस्था में दी। जैसा की हम सभी जानते हैं कि सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंकों में मानव रक्त की बहुत ही कमी देखी जा रही है, उक्त पवित्र उद्देश्य की पूर्ति हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, संगठन की टीम के द्वारा एवं नमो नमो मोर्चा भारत के

राष्ट्रीय संरक्षक श्री पुरुषोत्तम गुप्ता एडवोकेट के सहयोग से कार्यरूप में परिणत हुआ । संगठन के माध्यम से ब्लड डोनेट कराया गया, संगठन ने ब्लड डोनेट करने वाले सभी समाजसेवियों को संगठन की ओर से 2100 रूपए की सदस्यता शुल्क वाली आजीवन सदस्यता नि:शुल्क दी, इस कार्य में समाज के सभी वर्गों से आए हुए समाजसेवी जिसमें मार्केट के व्यापारी महासंघ के संरक्षक माननीय ओम साहू जी, मार्केट के अध्यक्ष आनंद सोनी जी मुकेश जैन, बृजमोहन गुप्ता, धर्मेंद्र विजयवर्गीय, प्रदीप गुप्ता, ऋषांक बजाज, मुकेश साहू टैंकर प्रदेश अध्यक्ष आईटी सेल तेली पिछड़ा वैश्य महासभा ट्रस्ट, गणेश राम साहू इकाई अध्यक्ष बरखेड़ा पठानी, शम्भु दयाल साहू राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्मा सेना भारत ने ब्लड डोनेट कर ब्लड डोनेशन की शुरुवात की, एडवोकेट हर्ष गुप्ता, संतोष राज साहू निज सचिव कैबिनेट मंत्री दर्जा माननीय श्री रविकरण साहू जी अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड मध्य प्रदेश शासन, मुकेश साहू कोलार, संतोष साहू प्रदेश अपर महासचिव तेली पिछड़ा वैश्य महासभा ट्रस्ट, राहुल अग्रवाल अमित दर्शन न्यूज़, प्रशम जैन जिला अध्यक्ष युवा एवं भाजपा जिला मंत्री, विजय कुमार, सुबोध साहू स्वर्ण नगरी ज्वेलर्स, सम जैन, नितिन जैन, भारती जैन, दीप्ति जैन, समता अग्रवाल संगीता पोल्ट, अशोक पोल्ट सहित कई अन्य समाज सेवी ने रक्त दान शिविर में भाग लेकर ब्लड डोनेट किया।

कूटनीति में महिलाओं का अंतरराष्ट्रीय दिवस

भोपाल। कूटनीति में महिलाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 24 जून को मनाया जाता है ताकि दुनिया भर में कूटनीति और निर्णय लेने के क्षेत्र में उल्लेखनीय महिलाओं को सम्मानित और मान्यता दी जा सके. 31 देशों में 34 महिलाएँ राष्ट्राध्यक्ष और / या सरकार के प्रमुख के रूप में काम कर रही हैं. यह पाया गया है कि शासन और कूटनीतिक मुद्दों के मामलों में महिलाओं की भागीदारी बेहतर परिणामों में मदद करती है. उनके द्वारा पारित कानून आम जनता और पर्यावरण के लिए अधिक लाभकारी प्रतीत होते हैं. कूटनीति में महिलाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस दुनिया में अधिक लैंगिक समानता लाने में मदद करने के लिए महिलाओं की इन शक्तियों का जश्न मनाता है. IDWID उन महिलाओं को धन्यवाद कहने का एक तरीका है जिन्होंने कूटनीतिक भूमिकाओं में बदलाव किया है उनकी उपलब्धियों को स्वीकार करके, हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम उठाते हैं कि लिंग की परवाह किए बिना सभी को दुनिया को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा बनने का उचित मौका मिले. (साभार)

मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का जन्मदिन आज भोपाल में धूमधाम से मनाया गया।

मध्यप्रदेश को लगेंगे विकास के पंख, 1500 करोड़ का होगा निवेश

2000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

रतलाम। एमएसएमई दिवस पर रतलाम में आयोजित रीजनल राइज कॉन्क्लेव 2025 में 1500 करोड़ रुपये के निवेश, 35 आधारभूत परियोजनाओं और 50 नई औद्योगिक इकाइयों की शुरुआत के साथ रोजगार, उद्यमिता और औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी। इस आयोजन से लगभग 2000 युवाओं को रोजगार और 500 उद्यमियों को भूमि आवंटन व प्रोत्साहन मिलेगा।

एमएसएमई दिवस के विशेष अवसर पर रतलाम शहर एक ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। रीजनल राइज कॉन्क्लेव 2025 के रूप में यह कार्यक्रम ना केवल औद्योगिक विकास को रफ्तार देगा, बल्कि निवेश, स्वरोजगार और कौशल विकास को भी नई दिशा प्रदान करेगा। यह पहला मौका है जब रतलाम इस स्तर के आयोजन की मेज़बानी कर रहा है, जिससे ना सिर्फ प्रदेश बल्कि अन्य राज्यों के भी उद्योग जगत के लोगों में उत्साह देखने को

मिल रहा है। कॉन्क्लेव के दौरान 35 से अधिक आधारभूत ढांचे जैसे विभागीय भवन, औद्योगिक क्लस्टर और अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जाएगा, जिसकी कुल लागत 350 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। साथ ही, 1500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की 50 नई औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास होगा। यह निवेश न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि रतलाम को एक नए औद्योगिक हब के रूप में भी स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस आयोजन के दौरान 500 उद्यमियों को आशय पत्र और भूमि आवंटन पत्र सौंपेंगे। यह कदम सरकार की उस नीति को दर्शाता है जिसमें उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जमीन और संसाधनों को सुलभ बनाया जा रहा है। साथ ही, 500 इच्छुक और प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार प्रस्ताव पत्र सौंपे जाएंगे, जो उन्हें औद्योगिक इकाइयों में रोज़गार पाने की दिशा में मदद करेगा। कॉन्क्लेव के दौरान 353.74 करोड़ रुपए के पूंजी निवेश से स्थापित 32 मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन भी किया जाएगा। इन इकाइयों के शुरू होने से लगभग 2000 युवाओं को सीधा रोजगार मिलने की उम्मीद है, जो क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर के अनुसार, अब तक 5000 से अधिक उद्यमी और हितग्राही ऑनलाइन पंजीयन करा चुके हैं।

पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पूर्वमंत्री उमाशंकर गुप्ता को जन्मदिन पर बधाई दी

शिवपुरी-श्योपुर में रेड अलर्ट 24 जिलों में भारी बारिश

भोपाल। प्रदेश के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। सोमवार को कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। ऐसा ही मौसम आज मंगलवार को भी रहेगा। ग्वालियर, चंबल, सागर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग के 24 जिलों में अति भारी या भारी बारिश की संभावना है। शिवपुरी-श्योपुर में रेड, जबकि बाकी हिस्से में ऑरेंज और यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, शिवपुरी-श्योपुर में अगले 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। ग्वालियर, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पांढुर्णा, बालाघाट में अति भारी यानी, 4 इंच तक बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, भिंड, मुरैना, शाजापुर, देवास, रतलाम, विदिशा, रायसेन, सागर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला में भारी बारिश होने की संभावना है। भोपाल, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।